twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 160, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

नेशनल हेराल्ड केस: ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को आरोपित बनाया

नई दिल्ली

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिकायत दाखिल की है। ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा को आरोपित बनाया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने के मामले पर 25 अप्रैल को सुनवाई करने का आदेश दिया। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 44 और 45 के तहत शिकायत दाखिल की है। ईडी की ओर से पेश वकील एनके माटा ने कहा कि इस मामले में 2019 में सीबीआई ने भारतीय दंड संहिता की धारा 403, 406 और 420 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। ये मामला राऊज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल जुडिशियल मजिस्ट्रेट के यहां लंबित है। उसके बाद कोर्ट ने जुडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट के यहां से संबंधित केस की फाइल तलब करने का आदेश दिया। इस मामले में शिकायतकर्ता सुब्रह्मण्यम स्वामी का आरोप है कि दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए साजिश के तहत यंग इंडियन लिमिटेड को संपत्ति का अधिकार दिया गया।

स्वामी का कहना है कि हेराल्ड हाउस को केंद्र सरकार ने समाचार पत्र चलाने के लिए जमीन दी थी, इस लिहाज से उसे व्यावसायिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, गांधी परिवार ने दलील दी थी कि उन्हें बेवजह प्रताड़ित करने के मकसद से अदालत के समक्ष याचिका लगाई गई है।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा से की पूछताछ

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से हरियाणा के गुरुग्राम स्थित भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की। हालांकि, वाड्रा ने एजेंसी के समन को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव की जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजकर आज पूछताछ के लिए बुलाया था। यह मामला रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी के गुरुग्राम में जमीन की खरीद से जुड़ा है।

सोनिया-राहुल गांधी से घंटों हुई थी पूछताछ

दिल्ली के हेराल्ड हाउस (5A, बहादुर शाह जफर मार्ग), मुंबई के बांद्रा (ईस्ट) और लखनऊ के विशेश्वर नाथ रोड स्थित की बिल्डिंग पर नोटिस चिपकाए गए थे। 661 करोड़ की इन अचल संपत्तियों के अलावा AJL के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को एऊ ने नवंबर 2023 में अपराध की आय को सुरक्षित करने और आरोपी को इसे नष्ट करने से रोकने के लिए कुर्क किया था।

सोनिया-राहुल से घंटों हुई थी पूछताछ

जून 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ हुई थी। फिर 21 जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे। इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए।

नेशनल हेराल्ड केस क्या है?

बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गनाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ऐसा दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपए की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। स्वामी ने 2000 करोड़ रुपए की कंपनी को केवल 50 लाख रुपए में खरीदे जाने को लेकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की थी।

बदले की राजनीति कर रही केंद्र सरकार: जयराम रमेश

कांग्रेस ने इसे बदले की राजनीति बताया। जयराम रमेश ने लिखा, 'नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा पहने हुए राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से बदले की राजनीति और धमकी के अलावा कुछ नहीं है। हालांकि, कांग्रेस और उसका नेतृत्व चुप नहीं रहेगा। सत्यमेव जयते।' ईडी ने मुंबई के बांद्रा में हेराल्ड हाउस की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस दिया था कि वह हर महीने किराया/लीज राशि प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के पक्ष में ट्रांसफर करे।

मंगलवार को कोर्ट में क्या हुआ

राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने कहा- पीएमएलए 2002 की धारा 44 और 45 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ईडी ने एक नई शिकायत दायर की है।

इसे धारा 3 के साथ धारा 70 के तहत डिस्क्राइब किया गया है। यह पीएमएलए, 2002 की धारा 4 के तहत दंडनीय है। हालांकि इस मामले की सुनवाई राउज एवेन्यू कोर्ट में एडीशनल चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट के पास चल रही है।

दिल्ली कैबिनेट : बिजली सब्सिडी जारी रहेगी, बंद नहीं होंगे सीएनजी ऑटो

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी में पहले से जारी बिजली सब्सिडी को आगे भी जारी रखने का फैसला किया है। साथ ही सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि दिल्ली में सीएनजी ऑटो बंद नहीं होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में इस संबंध में एक विशेष प्रस्ताव पर विचार कर निर्णय लिया गया। दिल्ली सचिवालय में बिजली मंत्री आशीष सूद ने कैबिनेट की बैठक के बाद बताया कि आज दिल्ली कैबिनेट की बैठक में पावर सब्सिडी को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। एक विशेष प्रस्ताव के तहत दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ितों, वकीलों के चैंबर्स और वर्तमान के घरेलू उपभोक्ताओं को पहले की तरह सब्सिडी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार में आने के बाद से अफवाह फैलाई जा रही थी कि सब्सिडी समाप्त कर दी जाएगी। उन्हें लगता है कि आज के फैसले से इन अफवाहों पर रोक लग जानी चाहिए। इसके अलावा परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल से जुड़ी नीति पर विचार कर रही है। यह अफवाह फैलाई जा रही है कि दिल्ली में सीएनजी ऑटो बंद कर दिए जायेंगे। वे स्पष्ट करना चाहते हैं कि दिल्ली में पहले की भांति ऑटो रिक्शा चलते रहेंगे।

कोई भी देश के कानून से ऊपर नहीं: भाजपा

नई दिल्ली

हरियाणा जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और व्यापारी रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया। राबर्ट वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे और उनसे पूछताछ की गई । इस प्रकरण पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधते हुए कहा कि कानून से कोई ऊपर नहीं है। मंगलवार को भाजपा नेता गौरव भाटिया ने एक्स प्लेटफार्म पर इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भूमि माफिया रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया था। यह हरियाणा में हुए भूमि घोटाले से संबंधित है। इसे शिकोहपुर भूमि स्कैम के नाम से जाना जाता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट को 'सुप्रीम' हिदायत

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के लिए लड़की को जिम्मेदार ठहराने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के हालिया फैसले पर नाराजगी जताई है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर जज को केस में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आरोपित को जमानत देनी है, तो वो जमानत दे सकते हैं। यह तय करना उनका विशेषाधिकार है, पर जज को इस तरह की गैरवाजिब टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए यह टिप्पणी की। दरअसल, 10 अप्रैल को दुष्कर्म के एक मामले में आरोपित को जमानत देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस संजय सिंह की टिप्पणी को लेकर विवाद हो गया था। कोर्ट ने अपने फैसले में जमानत देते हुए कहा था कि पीड़ित एमए की छात्रा है, इसलिए वह अपने फैसलों और उनके सही-गलत को समझने में सक्षम है। कोर्ट का मानना है कि अगर पीड़िता के आरोपों को सही मान भी लिया जाए तो भी इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि महिला ने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया और इस घटना के लिए वो खुद भी जिम्मेदार है। पीड़िता की मेडिकल जांच में भी डॉक्टर ने यौन हमले को लेकर कोई भी बात नहीं रखी है।

वक्फ कानून को लेकर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा

वक्फ संशोधन कानून मामले को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट कल यानी 16 अप्रैल को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच वक्फ संशोधन कानून को लेकर दायर 10 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। यह याचिकाएं असदुद्दीन ओवैसी, अमानतुल्लाह खान, एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर), मौलाना अरशद मदनी, समस्थ केरल जमीयतुल उलेमा, अंजुम कादरी, फजलुर्रहीम और अन्य, मनोज कुमार झा और अन्य ने दाखिल की हैं।

गडकरी ने अधिकारियों को सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को सुधारने की दी हिदायत

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को भारत मंडपम में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल एक लाख 80 हजार लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को सुधारने की हिदायत देते हुए कहा कि ऐसा करने से कम से कम 40 हजार लोगों की जान प्रतिवर्ष बचेगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी राजमार्ग अवसंरचना के विकास, रखरखाव और नवाचार में नए मानक स्थापित करने वाले विजेताओं को राष्ट्रीय राजमार्ग उत्कृष्टता पुरस्कार-2023 प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी उपस्थित थे। गडकरी ने अधिकारियों से सवाल किया कि सड़क हादसों में लोगों की जान बचाना हमारी जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि सड़क इंजीनियरिंग में कोई कमी है तो हमें उसे सुधारें। उन्होंने हादसों में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि सड़क हादसों 18-34 साल के 60 प्रतिशत युवा जान गंवा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को सुधारने की हिदायत देते हुए ऐसा करने से कम से कम 40 हजार लोगों की जान प्रतिवर्ष बचेगी। उन्होंने प्रतिदिन सड़क निर्माण का औसत लक्ष्य बढ़ाने की सलाह देते हुए कहा कि इस लक्ष्य का हासिल करने के लिए सकारात्मकता से काम करना होगा। गडकरी ने अधिकारियों को पारिस्थितिकी पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाने की सलाह दी।

अस्पताल से नवजात चोरी होने पर सस्पेंड होना चाहिए अस्पताल का लाइसेंस: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नवजात बच्चे को अस्पताल से चुराया जाता है तो सबसे पहले उस अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड होना चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में बच्चों की तस्करी से जुड़े मामले के 13 आरोपितों को मिली जमानत निरस्त करते हुए की। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बच्चों की तस्करी रोकने और इस तरह के केस से निपटने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाई कोर्ट से कहा है कि वो निचली अदालतों को बच्चों की तस्करी से जुड़े मामलों में 6 महीने में ट्रायल पूरा करने को कहे। ऐसे मामलों की कोर्ट में रोजाना सुनवाई हो। कोर्ट ने साफ किया कि इन दिशा-निर्देशों के अमल में किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका में पक्षकार बनाने की मांग की है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने कहा है कि वो इस मामले का एक महत्वपूर्ण पक्षकार है, इसलिए इस मामले पर सुनवाई के लिए उसे भी पक्षकार बनाया जाए। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के पास राज्य में 5317 वक्फ की संपत्तियां हैं। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने कहा है कि राज्य में वक्फ संपत्तियों की इतनी ज्यादा संख्या इनकी वैधता पर सवाल खड़े कर रहा है। कई वक्फ संपत्तियों पर तीसरे पक्ष का कब्जा है।

ममता ने दंगाइयों को दे रखी है दंगा करने की छूट: सीएम योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश ऐसा था कि जिसमें हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार डंडा है। बिना डंडे के ये मानेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि आप देख रहे हैं कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। वे दंगाइयों को शांति दूत कहते हैं, लेकिन वे बातों से कहां मानने वाले हैं? सेकुलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगा करने की पूरी छूट दे रखी है। पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है और सरकार मौन है। मुख्यमंत्री ने इन घटनाओं पर सख्त लगाम लगाने की बात करते हुए वहां के माननीय न्यायालय का धन्यवाद दिया, जिन्होंने केंद्रीय बलों को भेजकर अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरदोई में 650 करोड़ रुपए की 729 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास के दौरान ये बातें कहीं। सीएम 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी, राजा नरपति सिंह रैकवार के विजय दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। ग्रामसभा रोइया, रूदामऊ, माधौगंज, बिलग्राम हरदोई में आयोजित इस कार्यक्रम में विकास, सुरक्षा और विरासत तीनों की झलक एक साथ देखने को मिली।

भारत की धरती पर क्यों बने हैं बोझ

मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा,याद करिए 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के ये लोग मानेंगे नहीं। आप देख रहे हैं कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को वह शांति दूत कहती हैं।" विपक्ष के मौन पर मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस मौन है, समाजवादी पार्टी मौन है, टीएमसी मौन है। धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, जो बांग्लादेश में हुआ था उसका समर्थन कर रहे हैं। जिसे बांग्लादेश अच्छा लगता है तो उन्हें बांग्लादेश चले जाना चाहिए। क्यों भारत की धरती पर बोझ बने हैं? प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी, राजा नरपति सिंह के विजय दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सीएम ने इस ऐतिहासिक स्मारक के महत्त्व का उल्लेख किया। साथ ही राजा नरपति सिंह रैकवार की भूमि और किले के उल्लेख पर खास जोर दिया, जो आस-पास के जिलों में विख्यात है। उन्होंने स्मारक के लिए केंद्रीय मंत्री और उस समय के मुख्यमंत्री रहे राजनाथ सिंह का भी विशेष रूप से आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्मारक आधुनिक भारत का तीर्थ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे हरदोई जनपद को आधुनिक भारत के रूप में ढालने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में अपनी छाप छोड़ी है। भारत पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशनः पहले दिन भक्तों को निराशा, बैंक में कंप्यूटर अनुपलब्ध

एजेंसी

कठुआ । श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन मंगलवार से शुरू हो गया, लेकिन कठुआ में पहले ही दिन पंजीकरण कराने पहुंचे भक्तों को मायूसी हाथ लगी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की कठुआ शाखा में पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण काउंटर नहीं खुल सके। इससे भक्तों में निराशा और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। हीरानगर से आए विकास महाजन ने बताया कि वे और उनके साथी सुबह जल्दी उठकर उत्साह के साथ रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे थे। उनका इरादा 3 जुलाई को पहले जत्थे के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन करने का था। लेकिन, बैंक प्रबंधन ने बताया कि कंप्यूटर उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते पंजीकरण शुरू नहीं हो सका। उन्होंने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने 14 अप्रैल से पंजीकरण शुरू होने की घोषणा की थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर व्यवस्था की कमी ने उनके उत्साह को ठेस पहुंचाई। इसी तरह, हीरानगर के सुमित शर्मा ने अपने साथियों के साथ पंजीकरण कराने की योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि उनके समूह में जम्मू और अन्य जगहों से आए भक्त भी शामिल

थे।सुमित ने कहा, हम सुबह सात बजे से तैयार होकर आए थे। लेकिन, बैंक अधिकारियों से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। वे कह रहे हैं कि कंप्यूटर जम्मू भेज दिया गया है और ऊपर से कोई दिशा-निर्देश नहीं मिले हैं। सुमित ने यह भी बताया कि उनके दिल्ली में रहने वाले कुछ दोस्तों ने वहां की बैंक शाखाओं से पंजीकरण करा लिया है, लेकिन कठुआ में स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। श्रद्धालुओं ने बैंक अधिकारियों पर अस्पष्ट जानकारी देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि पंजीकरण कब शुरू होगा, दोपहर, शाम, अगले दिन या उससे भी बाद में, इस बारे में कोई ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। इससे लंबी दूरी तय करके आए श्रद्धालुओं का उत्साह कम हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और श्राइन बोर्ड से बेहतर समन्वय की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी परेशानियां न हों। हालांकि, श्रद्धालुओं ने उम्मीद जताई कि जल्द ही व्यवस्था सुधरेगी और वे बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अनुसार, इस साल यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त तक चलेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र (सीएचसी) और आधार कार्ड जैसे दस्तावेज जरूरी हैं। बोर्ड ने देशभर में 533 बैंक शाखाओं को पंजीकरण के लिए अधिकृत किया है।

'जीरो टॉलरेंस' जीरो हो गया, वैसे ही 'जीरो पार्वटी' भी जुमला साबित होगा : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबासाहेब अंबेडकर के नाम पर चलाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऐलान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि 'ज़ीरो पार्वटी' भी भाजपा का जुमला साबित होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ज़ीरो होने से पहले हर तरफ़ ज़ीरो नज़र आ रहा है। जैसे इनका 'ज़ीरो टॉलरेंस' ज़ीरो हो गया, वैसे ही 'ज़ीरो पार्वटी' भी भाजपा का जुमला होगा। हमारे देश की महान परंपरा ने 'ज़ीरो' गणित के लिए दिया था, जनता के बीच झूठ बांटने के लिए नहीं। पावर्टी या कहें गरीबी कामों से जाती है, बातों से नहीं और काम में भाजपा सरकार जीरो है। ये जाते-जाते सब कुछ शून्य करके जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपाई 'अंबेडकर गांव' और 'लोहिया गांव' जैसी पुरानी योजनाओं का नाम बदलकर नए तरह से पेश करने का अपना परंपरागत

छलावा कर सकते हैं और कुछ नहीं। भाजपाई नया वादा करने से पहले 15 लाख खातों में भिजवा दें और गोद लिए गांव की बदहाली भी जाकर देख लें और पहले हर किसी को घर और हर घर में जल जैसे झूठे वादों पर कई परतों तक जमा हो चुकी धूल को झाड़ें। कम-से-कम ग़रीबों से तो झूठ न बोलें। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मध्य प्रदेश के नीमच में एक मंदिर में विश्राम कर रहे अल्पसंख्यक जैन समाज के मुनियों पर हिंसक हमला घोर निंदनीय है। इस मामले की गहरी जांच हो, न कि दिखावटी कार्रवाई और इस दुर्भावनापूर्ण कुकृत्य के पीछे की असली मंशा जगजाहिर हो कि शांतिपूर्ण जैन समाज के आदरणीय-सम्माननीय मुनियों के ऊपर ये घातक हमला क्यों हुआ और सब कुछ त्याग चुके इन मुनियों से भला किसको क्या हासिल होना था।

वक्फ पर चुप रहने के लिए भाजपा के साथ नेशनल कांफ्रेंस ने किया समझौताः इल्तिजा

एजेंसी

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस पर विवादास्पद वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर चुप रहने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। सुश्री इल्तिजा ने यहां संवाददाताओं से कहा , विधानसभा में पार्टी के 50 विधायक होने के बावजूद नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव क्यों नहीं लाया। फारूक अब्दुल्ला साहब को हमें आज के बारे में बताना चाहिए। उनके बेटे 50 विधायकों के साथ मुख्यमंत्री हैं। कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु ने वक्फ के खिलाफ प्रस्ताव लाने का फैसला किया। तमिलनाडु पहले ही इसे ला चुका है। हमारे मुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? वे वक्फ के खिलाफ प्रस्ताव क्यों नहीं लाये।÷ उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ सरकार ट्यूलिप गार्डन में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के साथ फोटो खिंचवाने में व्यस्त थी, जबकि वक्फ जैसे महत्वपूर्ण

मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा था। उन्होंने कहा उनकी (नेशनल कांफ्रेंस) पहले से ही भाजपा के साथ सहमति है कि हम वक्फ के बारे में बात नहीं करेंगे और इसके खिलाफ कोई प्रस्ताव नहीं लायेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जम्मू कश्मीर भारत का एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य होने के बावजूद वक्फ के खिलाफ प्रस्ताव क्यों नहीं लाया गया। नेशनल कांफ्रेंस पर सत्ता के मोह में बंधे होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा ÷केवल जम्मू-कश्मीर के मुसलमान ही नहीं , बल्कि देश के बाकी हिस्सों के मुसलमान भी हमारी ओर देख रहे हैं। इस सरकार ने उन्हें बुरी तरह निराश किया है , क्योंकि आप मुसलमानों के बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने नेशनल कांफ्रेंस के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि वक्फ मामला विचाराधीन है। उन्होंने कहा, यहां तक कि अनुच्छेद 370 भी विचाराधीन है, फिर भी वे इसके लिए लड़ने का दावा करते हैं। वक्फ अपवाद क्यों है। राज्य का दर्जा बहाल करने को भाजपा का एजेंडा बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि पीडीपी का संघर्ष राज्य के दर्जे से कहीं आगे तक जाता है, जिसका लक्ष्य जम्मू कश्मीर की विशेष संवैधानिक स्थिति की वापसी है।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश आज अपना 78वां स्थापना दिवस मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी और देवभूमि को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, हिमाचल दिवस की राज्य के सभी लोगों को अनेकानेक शुभकामनाएं। गौरवशाली संस्कृति के लिए विख्यात इस प्रदेश के मेरे भाई-बहन अपने परिश्रम, प्रतिभा और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। यह विशेष अवसर आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और आरोग्य लेकर आए, साथ ही हमारी देवभूमि को प्रगति के पथ पर अग्रसर करे, यही कामना है।उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल 1948 को 30 छोटी-बड़ी रियासतों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश का गठन किया गया था। तब से हर साल 15 अप्रैल को हिमाचल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मौसम विभाग ने फिर जारी किया हीट वेव का अलर्ट

● 2 दिनों में ही पारा 41 डिग्री पार जाने की संभावना

एजेंसी

नोएडा । दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर में मौसम साफ रहने के साथ-साथ तापमान भी बढ़ने लगेगा। आज सुबह के समय तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। बीते दिनों हुई आंधी व बारिश से तापमान में 5 डिग्री की गिरावट आई थी। अब मौसम साफ है। सुबह से धूप खिलने के साथ मौसम सामान्य बना हुआ है। इसके चलते ही मौसम विभाग ने अब आने वाले दिनों में हीट वेव का अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दो दिनों के अंदर ही अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला जाएगा। मौसम विभाग ने तीन दिनों के लिए हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, 15 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री बने रहने की संभावना है। इसके बाद मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक हीट वेव के अलर्ट को जारी किया है, जिसमें 16, 17 और 18 अप्रैल शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम

तापमान 24 डिग्री बने रहने की संभावना है। वहीं, 17 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री बने रहने की संभावना जताई गई है। इसके बाद अगले दिन, 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री होने की संभावना जताई गई है। इन तीन दिनों के बाद मौसम विभाग के मुताबिक, हीट वेव का असर कुछ कम होता दिखाई देगा।

19 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। जबकि 20 अप्रैल को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। वहीं, 21 अप्रैल को भी अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री बने रहने की संभावना जताई गई है। इस बारे में मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ में हुई गड़बड़ी के कारण लगातार मौसम में अलग-अलग बदलाव देखने को मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर तेज बारिश और हवा का सामना दिल्ली एनसीआर के लोगों को करना पड़ सकता है, जिसके बाद पारे में एक बार फिर गिरावट दर्ज की जाएगी।

अयोध्या में राममंदिर का काम 99 प्रतिशत पूरा हो चुका है : नृपेंद्र मिश्र

● प्रथम तल, द्वितीय तल और भूतल सब पूर्ण हो चुका है।

एजेंस

अयोध्या । श्री मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का काम 99 प्रतिशत पूरा हो चुका है। 2000 क्यूबिक पत्थर मंदिर के अगल-बगल लगना है। मुख्य मंदिर में कोई पत्थर नहीं लगना है। प्रथम तल, द्वितीय तल और भूतल सब पूर्ण हो चुका है। प्रथम तल में रामदरबार मई माह में विराजमान हो जाएगा। उसके बारे में न्यास कार्यक्रम तय करेगा। नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारा ध्यान मंदिर के साथ परकोटा

में गति देने का है। कुछ नए निर्माण कार्य हैं जिन्हें पूर्ण करना है। उत्तरी तरफ अस्थाई कार्यालय के हिस्से को तोड़कर योजना के अनुसार हॉर्टिकल्चर वगैरह का काम किया जाएगा। नॉर्दर्न गेट भी लगभग पूर्ण हो गया है। 15 में तक वह पूरा हो जाएगा। दिसंबर 2025 में मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि जो सामाजिक समरसता मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने सभी के समक्ष प्रस्तुत की थी, उसी के अनुसार सातों मंदिर, महर्षि वाल्मीकि से लेकर निषाद राज, शबरी, अहिल्या, अगस्त मुनि, वशिष्ठ जी, इन सब के मंदिर पूर्ण हो गए हैं और मूर्तियां पहुंच गई हैं। सातों मंदिर के बीच में एक जलताल पुष्कर्णी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जो अपने आप में अनोखा था। जब देखा गया तो उसमें बंदर समूह स्नान कर रहे थे। शिखर का निर्माण भी 99 फीसदी पूरा हो गया है। शिखर के ऊपर कलश रखने का कार्य भी हो गया है। मिश्रा ने बताया कि परकोटा में जो मंदिर है, उसमें कलश रखना है, उसकी भी पूजा हो गई है।

दो वाहनों की टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत, 15 घायल

एजेंसी

मुंबई। बुलढाणा जिले में खामगांव-नांदुरा हाईवे पर आमसरी फाटा के पास मंगलवार को ईंट ले जा रहे मेटाडोर और मध्य प्रदेश रोडवेज की बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 15 यात्री घायल हो गए हैं, जिनका इलाज खामगांव के शासकीय अस्पताल में हो रहा है। पुलिस के अनुसार आज सुबह ईंट ढोने वाली तेज रफ्तार मेटाडोर आमसरी फाटा के पास मध्यप्रदेश परिवहन की बस से टकरा गई। इस घटना में मेटाडोर वाहन पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एसटी बस के चालक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना में बस में सवार पंद्रह यात्री घायल हो गए। इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल खामगांव के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने घटनास्थल पर शव परीक्षण कराकर मृतकों की पहचान करने का काम शुरू कर दिया है।

उत्तर प्रदेश नौ आईएएस इधर से उधर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के नौ अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि समाज कल्याण विभाग में सचिव समीर वर्मा को महानिरीक्षक निबंधन उत्तर प्रदेश के पद पर भेजा गया है वहीं लोक निर्माण विभाग में सचिव भूपेंद्र एस चौधरी को आयुक्त खाद्य एवं रसद नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में नोडल आफिसर डॉ हीरालाल को आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समितियां बनाया गया है। नवीन कुमार जीएस को सचिव सिंचाई विभाग वर्तमान पद के साथ स्टेट नोडल ऑफ़िसर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रमोद कुमार उपाध्याय सचिव भू संपदा विनिमयक प्राधिकरण रेरा को गन्ना आयुक्त के पद पर भेजा गया है जबकि मौजूदा गन्ना आयुक्त पीएन सिंह को प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। वैभव श्रीवास्तव सचिव गृह विभाग को पीडीसीएफ का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। बी चंद्रकला को

सचिव महिला कल्याण तथा पंचायतीराज विभाग को पंचायतीराज के प्रभार से अवमुक्त कर सचिव महिला कल्याण विभाग के पद पर यथावत रखा गया है। अमित कुमार सिंह विशेष सचिव नगर विकास विभाग तथा संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र जल निगम को निदेशक पंचायती राज की जिम्मेदारी दी गयी है।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद देश के लिए कुछ करने की इच्छा फिर से जाग गई : कर्णम मल्लेश्वरी

'पीएम का रवैया बहुत ही सकारात्मक और सहयोगात्मक है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की प्रथम महिला ओलंपिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात के बाद उनकी देश के लिए कुछ करने की इच्छा फिर से जाग गई है। पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक कर्णम मल्लेश्वरी की हरियाणा के यमुनानगर में खेल अकादमी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यमुनानगर की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दो बार की विश्व चैंपियन मल्लेश्वरी की नए एथलीटों को प्रोत्साहन देने के लिए सराहना की। साल 2004 में करियर से रिटायरमेंट के बाद 49 वर्षीय मल्लेश्वरी ने अपने पति राजेश

त्यागी के साथ मिलकर साल 2017 में यमुनानगर में अपनी पहली अकादमी खोली थी। आईएएनएस से बात करते हुए कर्णम मल्लेश्वरी ने बताया कि उन्होंने अकादमी में आने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के चलते अकादमी जाने की बजाए उनको ही अपने पास बुलवा लिया। उन्होंने कहा, 'मैंने पीएम मोदी को अपनी अकादमी में आने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने यहां आने की बजाए अपने व्यस्त कार्यक्रम के चलते मुझे ही मिलने के लिए यहां बुलाया। मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हूं। उन्होंने मुझसे मिलकर कहा कि आपने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है। और आप अभी देश के लिए बहुत अच्छा काम कर रही हो।' उन्होंने कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री को अपनी अकादमी के बारे में बताया, जहां देश के आम घरों के एथलीट प्रशिक्षण लेते हैं।

मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे सामान्य हो रहा जनजीवन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध के दौरान ड़की हिंसा के बाद अब हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। प्रशासन और सुरक्षाबल लगातार निगरानी बनाए हुए हैं ताकि किसी भी तरह की नई घटना को रोका जा सके।जंगीपुर, धुलियान, सूती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स की बड़ी तादाद में तैनाती की गई है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले 48 घंटों से इन क्षेत्रों में कोई नई हिंसा की घटना सामने नहीं आई है।राज्य पुलिस के अनुसार, मुर्शिदाबाद में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

पुलिस के अनुसार, इन घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए।

बंद पड़ी दुकानें अब दोबारा खुल रही हैं और हिंसा के दौरान घर छोड़ने वाले लोग अपने घर लौटने लगे हैं। जंगीपुर से तृणमूल सांसद खलीलुर रहमान ने बताया, जो लोग हिंसा के दौरान अपने घर छोड़ गए थे, वे अब लौट रहे हैं और सभी प्रभावित इलाकों में जनजीवन सामान्य हो रहा है। राज्य सरकार भी पीड़ितों की मदद

कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें ताकि सामान्य स्थिति को फिर बाधित न किया जा सके। रहमान ने आगे बताया कि जिला प्रशासन उन लोगों की सूची तैयार कर रहा है, जिन्हें उनके संपत्ति को हुए नुकसान के आधार पर मुआवजा दिया जाएगा। मुर्शिदाबाद के सूती, धुलियान और जंगीपुर में संशोधित वक्फ अधिनियम को लेकर भारी विरोध-प्रदर्शन हुए थे, जो बाद में हिंसक झड़पों में बदल गए।

केंद्र-राज्य संबंधों की मजबूती की संभावना तलाशने के लिए मुख्यमंत्री स्टालिन ने की कमेटी की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई। केंद्र और राज्य सरकार के बीच संबंधों की मजबूती की संभावना तलाशने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब राज्यपाल के साथ राज्य सरकार का गंभीर टकराव चल रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में केंद्र-राज्य संबंधों को बेहतर बनाने और शिक्षा जैसे विषयों को राज्य सूची में वापस लाने के मुद्दे की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्यों के बीच सहयोगात्मक संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए राज्यों की स्वायत्तता की रक्षा की बात की।

तमिलनाडु राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए यह समिति सिफारिशें देगी। स्टालिन के इस कदम का उद्देश्य राज्य को अधिक अधिकार संपन्न बनाते हुए केंद्र के साथ संबंधों को मजबूत करना है।

फंदा लगाकर युवक ने की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में रविवार को किशोर नामक एक युवक छत में लगे पंखे से फंदे में लटका मिला। परिजनों ने उसकी पत्नी पर हत्या करवाने का आरोप लगाया है, क्योंकि उनके बीच में काफी दिनों से झगड़े चल रहे थे। इस मामले में परिजनों के संग स्थानीय लोगों ने सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर पोस्टमार्टम के बाद मिले शव को रोड पर रखकर प्रदर्शन किया। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि परिजनों की मांग पर मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। किशोर (33) के बड़े भाई प्रदीप ने बताया कि किशोर परिवार के साथ प्रताप नगर में रहता था। परिवार में किशोर व प्रदीप के अलावा उनकी मां बाला हैं। किशोर दिल्ली नगर निगम में काम करता था। प्रदीप ने बताया कि दिसंबर 2021 में किशोर की शादी के कुछ ही समय बाद उसकी पत्नी से उसका घरेलू बातों को लेकर झगड़ा होने लगा था। कई बार वह नाराज होकर मायके भी गई लेकिन फिर मान मनौव्वल के बाद वापस आ जाती थी। इस बार भी वह नाराज होकर चली गई थी। प्रदीप के अनुसार बीती रात वह घर आए तो देखा किशोर फंदे से लटका हुआ है। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी।

गोदाम से मसाले के डिब्बे चुराने के मामले में पुराना गार्ड गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक गोदाम से मसाले के डिब्बे चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा है। आरोपित की पहचान अरविंद गुप्ता के रूप में हुई है। वह गोदाम में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर चुका है। डुप्लीकेट चाबी से अरविंद ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपित के कब्जे से मसाले के 44 डिब्बे बरामद किए गए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 11 अप्रैल को घिटोरनी स्थित एक गोदाम में चोरी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने गोदाम खोला तो उसमें रखे मसाले के डिब्बे गायब थे। पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की तो रात के समय 3 व्यक्ति चोरी करते हुए नजर आए। चोर मसाले के डिब्बे महिंद्रा पिकअप में लादकर ले गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अरविंद गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर मसाले के कुल 44 डिब्बे और गोदाम की डुप्लीकेट चाबी बरामद हुई। पूछताछ में अरविंद गुप्ता ने खुलासा किया कि वह गोदाम पर सिक्योरिटी गार्ड का काम कर चुका है। उसी दौरान उसने डुप्लीकेट चाबी बनवा ली थी। वारदात में शामिल अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

पैरोल लेकर फरार हुए कैदी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में पैरोल लेकर फरार हुए भारतीय सेना के भूतपूर्व सिपाही अनिल कुमार तिवारी को 20 साल के बाद गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि अनिल के खिलाफ दिल्ली कैंट थाने में 14 मई 1989 में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने 31 मई को आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया और आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके बाद 2005 में आरोपित को दो सप्ताह की पैरोल मिली। पैरोल मिलने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। तब से पुलिस आरोपित की तलाश कर रही थी। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच ने फरार कैदियों को पकड़ने का अभियान चला रखा है। इसी क्रम में आरोपित अनिल के बारे में पुलिस टीम को सूचना कि वहप्रयागराज उप्र में देखा गया है। सूचना को पुख्ता कर क्राइम ब्रांच की दो टीमों को प्रयागराज भेजा गया। वहां जांच करने पर पता चला कि आरोपित अपने गांवमध्य प्रदेश भाग गया है। पुलिस की एक टीम को मध्य प्रदेश भेजा गया, जहां गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि 1981 में मध्य प्रदेश निवासी एक लड़की से उसने शादी की। बाद में वह 1986 में दिल्ली कैंट दिल्ली के ऑर्डिनेंस कोर यूनिट में ड्राइवर के रूप में भारतीय सेना में शामिल हो गया।

अंडर ट्रेनी आईपीएस ने हवलदार से की मारपीट

नई दिल्ली। लाजपत नगर में अंडर ट्रेनी आईपीएस व उनके साथियों ने हवलदार के साथ मारपीट की। इसके बाद उसे अपनी कार में जबरदस्ती बैठाया। कार में बैठाकर घुमाते हुए उसे लाजपत नगर थाने ले गए। बताया जा रहा है कि लाजपत नगर थाने में भी दोनों पक्षों में फिर मारपीट हुई। इस दौरान हवलदार हरभजन ने 112 नंबर पर पीसीआर कॉल कर दी। इसके बाद आईपीएस व उसके साथियों को फिर से थाने बुलाया गया। बताया जा रहा है कि वर्ष 2022 बैच के आईपीएस रोहित तंवर व उनके साथियों को दिनभर लाजपत नगर थाने में बैठाया रखा गया। माफीनामा लिखने के बाद अंडर ट्रेनी आईपीएस व उनके साथियों को सोमवार शाम को छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि नशे में गाड़ी चला रहे अंडर ट्रेनी आईपीएस के दोस्त को गाड़ी चलाने से हवलदार ने रोका। इसपर अंडर ट्रेनी आईपीएस ने उसे थप्पड़ लगा दिया। इस मामले में दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रविकुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच जा रही है। उन्होंने आगे कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र - एक चुनाव बेहद जरूरी : सुनील बंसल

एजेंसी

नई दिल्ली । अखिल भारतीय पसमान्दा मुस्लिम मंच के जरिए पसमान्दा मुस्लिम संवाद में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र - एक चुनाव बेहद जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत इसलिए करती है कि बार-बार चुनाव होने से देश की गति बाधित होती है। एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली भारतीय लोकतंत्र के लिए हितकारी साबित होने के साथ-साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बेहद जरूरी है भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने आगे कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बंसल ने आंकड़ों का

हवाला देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में एक लोकसभा चुनाव पर करीब 1,35,000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जबकि पूरे चुनावी चक्र में यह राशि 4-5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हों, तो खर्च में भारी कटौती की जा सकती है। एक वोट डालने पर सरकार 1400 रुपये खर्च करती है। जब हर साल कोई न कोई चुनाव होता है, तो यह खर्च कई गुना बढ़ जाता है। राजनीतिक पार्टियों के अपने चुनावी खर्चे अलग होते हैं, जिससे संसाधनों पर और भी अधिक दबाव पड़ता है। सुनील बंसल ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार चुनावी अभियानों में व्यस्त रहते हैं, जिससे योजनाएं जमीनी स्तर तक सही ढंग से नहीं पहुंच पातीं। इस बार के लोकसभा चुनाव में 01 करोड़ से अधिक लोगों की ड्यूटी लगी और इसमें 3 महीने का समय गया। यह प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गया है। भाजपा नेता ने तर्क दिया कि यदि देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो सरकारें अपने पूरे कार्यकाल में ठोस नीतिगत फैसले ले सकेंगी। बार-बार चुनाव होने से कई बार कठोर निर्णय लेने की स्थिति नहीं बन पाती। इस अवसर पर अखिल भारतीय पसमान्दा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली से समय और संसाधनों की बचत होगी। यह भारत के विकास के लिए आवश्यक है। बार-बार चुनाव होने से जिन संसाधनों और धन का प्रयोग व्यर्थ होता है, उनकी बचत होगी। उन संसाधनों का प्रयोग भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए होगा, जिससे विश्व के सामने भारत बहुत जल्द एक विकसित राष्ट्र बनकर उभरेगा, इसलिए चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बहुत जरूरत है।

अमित मालवीय ने मुर्शिदाबाद के विस्थापितों की तुलना कश्मीरी पंडितों से की, फिरहाद हकीम के बयान पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के एक बयान को चिंताजनक बताते हुए भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उन पर हमला बोला है और पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के विस्थापितों की तुलना कश्मीरी पंडितों से की है, जो अपने ही राज्य और देश में शरणार्थी बन गए थे।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हकीम का एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने इसके साथ पोस्ट में लिखा, यह चिंताजनक है कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और ममता बनर्जी के भरोसेमंद फिरहाद हकीम मुर्शिदाबाद से हिंदुओं के विस्थापन को न केवल उचित ठहरा रहे हैं, बल्कि उस पर संतोष भी व्यक्त कर रहे हैं। बंगाली हिंदू कश्मीरी पंडितों की तरह अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बनकर रह गए हैं, जिन्हें धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए कश्मीर से भागकर जम्मू और शेष भारत में शरण लेनी पड़ी थी। इस वीडियो में हकीम विस्थापन के बारे में मीडिया के प्रश्न पर कह रहे हैं, सब ठीक है, ऐसी कोई बात नहीं है। यहां ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। बंगाल से बंगाल में ही जा रहे हैं। बंगाल सुरक्षित है, इसलिए बंगाल में जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संसद से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित होने के बाद मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए, जो बाद में हिंसक हो गए। बड़ी संख्या में हिंदू वहां से पलायन कर रहे हैं। अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह विडंबना है कि फिरहाद हकीम जैसे व्यक्ति, जो सांप्रदायिक और भड़काऊ बयानबाजी के इतिहास वाले व्यक्ति हैं, अब कोलकाता के मेयर के प्रतिष्ठित पद पर हैं, जिस पर कभी देशबंधु चित्तरंजन दास (1924 में इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय), सुभाष चंद्र बोस और अन्य दिग्गज लोग काबिज रहे हैं।

कांग्रेस ने सामान्य जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने की मांग दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में सामान्य जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराने की मांग दोहराई है। इसके साथ ही राज्यों के आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की है, ताकि 50 प्रतिशत की सीलिंग हटाकर राज्यों के आरक्षण को सुरक्षित किया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि आज संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर की जयंती है। आज के दिन मैं कांग्रेस की तरफ से पांच बातें कहना चाहता हूं। पहली यह कि देश में जाति जनगणना अत्यंत जरूरी है। अभी केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर अपनी योजनाएं बना रही है। आगामी जनगणना का अभी तक पता नहीं है। खरगे ने मांग की कि सामान्य जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराना जरूरी है। उन्होंने तर्क दिया कि इतने वर्षों के बाद ये नहीं मालूम कि आज समाज के अलग-अलग वर्गों की वास्तविक हालत कैसी है।

सामाजिक न्याय के पैमाने पर शिक्षा, नौकरी, मकान और जमीन का मालिकाना हक आदि पर उन्होंने कितनी तरक्की की है। खरगे ने कहा कि दूसरी बात यह है 1976 में इंदिरा गांधी ने एससी-एसटी सब-प्लान लागू किया था ताकि इन समुदायों के साथ समुचित न्याय हो लेकिन 2015 में केंद्र सरकार ने इसे ख़त्म कर दिया। हालांकि कांग्रेसशासित कर्नाटक और तेलंगाना राज्य सरकारों ने सब-प्लान लागू करने का क़ानून बनाया है, इसलिए हम भाजपा सरकार से मांग करते हैं कि एस-एसटी सब-प्लान को केंद्र सरकार फिर से लागू करे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि तीसरी बात यह है कि तमिलनाडु के सिवाय कोई राज्य नहीं है, जहां आरक्षण सुरक्षित है।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें वक्फ (संशोधन) कानून 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। जमाअत के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर, मौलाना शफी मदनी और इनाम-उर-रहमान तथा जमाअत के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दायर याचिका मोहम्मद सलीम एवं अन्य (याचिकाकर्ता) बनाम भारत संघ (प्रतिवादी) में नए कानून पर गंभीर चिंता जताई गई है।

याचिका में कहा गया है कि यह संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और देश में वक्फ के धार्मिक, चैरिटेबल और समुदाय-उन्मुख चरित्र को खंडित करते हैं। याचिका में वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 25, 26 और 300 (ए) का उल्लंघन बताते हुए इन संशोधनों को असंवैधानिक करार देकर रद्द करने की मांग की गई है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वक्फ

इस्लामी आस्था और भारतीय विरासत का एक अभिन्न अंग है जो दान, शिक्षा और सामाजिक कल्याण से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसके धार्मिक व सामुदायिक चरित्र को कमजोर करने का कोई भी प्रयास न केवल असंवैधानिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अन्यायपूर्ण है। जमाअत ने सभी न्यायप्रिय नागरिकों, कानूनी विशेषज्ञों और बहुलवाद और न्याय के लिए प्रतिबद्ध नागरिकों से आह्वान किया है कि वह वक्फ सुरक्षा को मनमाने ढंग से खत्म किए जाने के खिलाफ आवाज उठाएं और इस संवैधानिक चुनौती के साथ एकजुटता से खड़े हों।

भारतीय सेना के 821 जवान संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के 821 जवानों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में शांति और स्थिरता बनाए रखने में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया। भारतीय सेना के जवानों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाते हुए लेबनान में मेडल डे परेड का आयोजन किया गया। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत तैनात भारतीय बटालियन के लिए यह औपचारिक समारोह भारतीय शांति सैनिकों की सेवा और समर्पण को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत सबसे बड़े सैनिक योगदानकर्ता देशों में से एक है। लेबनान में

भारतीय सेना की उपलब्धियों के लिए आयोजित परेड का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल विकास श्योराण ने किया। उन्होंने सैन्य गरिमा और अनुशासन के साथ इस समारोह का संचालन कर भारतीय सेना के नेतृत्व की उच्च परंपराओं को दर्शाया। इस भव्य आयोजन में कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। इनमें लेबनान में भारत के राजदूत मोहम्मद नूर रहमान शेख, यूएनआईएफआईएल सेक्टर ईस्ट के कमांडर, और अनेक नागरिक तथा सैन्य प्रतिनिधि शामिल थे। साथ ही, आस-पास के गांवों के मेयर, लेबनानी सशस्त्र बल, स्टेट सिक्योरिटी, जनरल सिक्योरिटी, और स्थानीय समुदाय के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सेना के मुताबिक, मेडल डे परेड की परंपरा संयुक्त राष्ट्र द्वारा उन शांति सैनिकों को मान्यता देने के लिए शुरू की गई थी, जिन्होंने किसी यूएन मिशन क्षेत्र में लगातार कम से कम 90 दिन सेवा की हो। समय के साथ यह परेड वैश्विक शांति रक्षक समुदाय के बीच पेशेवर प्रतिबद्धता और साझे मूल्यों का प्रतीक बन चुकी है। यूएनआईएफआईएल में इसे गर्व और सम्मान के साथ मनाया जाता है, जो सहयोगी देशों और मेजबान राष्ट्र के बीच एकता और तालमेल को दर्शाता है। सेना ने बताया कि आयोजन में स्थानीय नागरिक प्रतिनिधियों की मजबूत उपस्थिति दर्ज की गई। यह भारतीय बटालियन और लेबनानी समुदायों के बीच गहरे सहयोग, आपसी सम्मान और स्थायी संबंधों को दर्शाती है। सेना के मुताबिक, यह वैश्विक शांति और कूटनीति के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

चोरी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। जाफराबाद इलाके में बदमाशों ने एक मकान से 43 लाख रुपये के जेवरात और सात लाख कैश उड़ा लिया। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू की। अब करीब चार माह बाद जाफराबाद थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए इस वारदात में बुजुर्ग रिसीवर समेत दो आरोपितों को पकड़ा है। इनकी पहचान साहिल उर्फ सोहेल (23) और माल का रिसीवर अश्वनी (68) के रूप में हुई है। एक अन्य रिसीवर के पास से पुलिस ने चोरी की रकम से खरीदी गई एक बाइक व कुछ जेवरात बरामद किए हैं। वारदात के बाद से आरोपित मौके से फरार है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश कर रही है। बाकी सामान भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी अशीष मिश्रा ने सोमवार को बताया कि 23 नवंबर 2024 को मौजपुर निवासी महिला सपना ने अपने घर में चोरी होने की शिकायत पुलिस से की थी। पीड़िता ने बताया कि किसी ने उनके घर से 50 लाख रुपये के जेवरात और कैश चोरी कर लिया है। जाफराबाद थाना पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। लोकल पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ ने भी पड़ताल की।

दिल्ली क्राइम ब्रांच के साथ मुठभेड़ में दो लुटेरे गिरफ्तार, पुलिसकर्मियों पर की फायरिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी सुल्तानपुरी इलाके में हाल ही में हुई एक सनसनीखेज लूट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित थे। मुठभेड़ के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें दो पुलिसकर्मियों को गोली लगी। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ज्वाइंट सीपी सुरेंद्र कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कुछ दिन पहले सुल्तानपुरी में लूट की एक वारदात हुई थी, जिसमें बदमाशों ने न केवल लाखों रुपये की संपत्ति लूटी, बल्कि एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल भी कर दिया था। इस मामले में आउटर डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल स्टाफ को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित आरोपी राजौरी गार्डन इलाके में छिपे हैं। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने राजौरी गार्डन में छापेमारी की। वहां पहुंचते ही आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में एक कॉन्स्टेबल को दो

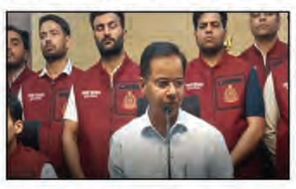

गोलियां लगीं, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट ने उनकी जान बचा ली। ज्वाइंट सीपी ने आगे बताया कि रात क्राइम ब्रांच को एक और सूचना मिली कि मामले के दो मुख्य आरोपी द्वारका के चावला इलाके में किसी से मिलने आने वाले हैं। इसके बाद तुरंत एक विशेष टीम गठित की गई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने देखा कि एक बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी पर दो लोग सवार थे। जब पुलिस ने उन्हें रोकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर चार से पांच राउंड फायरिंग कर दी। इस हमले में इंस्पेक्टर रामपाल और सब-इंस्पेक्टर मोहित को गोलियां लगीं। हालांकि, दोनों ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी हुई थी, जिसके कारण वे घायल होने से बच गए। पुलिस ने त्वरित जवाबी कार्रवाई के रूप में फायरिंग की, जिसमें दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। इसके बाद उन्हें काबू कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दीपक और कैलाश उर्फ भोला के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। ज्वाइंट सीपी ने कहा कि ये दोनों आरोपी कई आपराधिक वारदातों में शामिल रहे हैं और इनके खिलाफ कई थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस अब इनके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या ये किसी बड़े आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं। घायल आरोपियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

नकवी का वक्फ संशोधन पर हमला: लश्कर-ए-लूट पर सर्जिकल स्ट्राइक, हिंसा समर्थकों को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों और हिंसा समर्थकों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहाकि इस संशोधन के जरिए 'लश्कर-ए-लूट' की छूट पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की गई है। नकवी ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर उत्पात मचा रहे हैं और उन्हें 'लश्कर-ए-तबाही' और 'लश्कर-ए-तुष्टीकरण' के रूप में वर्णित किया। नकवी ने कहाकि 'लश्कर-ए-तबाही' को चोट लग रही है और 'लश्कर-ए-तुष्टीकरण' की चीख निकल रही है। उन्होंने देश के लोगों से ऐसे तत्वों से सावधान रहने का आह्वान किया जो भ्रम का माहौल बनाकर सामाजिक सद्भाव को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा नेता ने स्पष्ट किया कि वक्फ संशोधन किसी धर्म विशेष के लिए नहीं, बल्कि देश का कानून है। इसका उद्देश्य आस्था का संरक्षण और व्यवस्था में सुधार करना है। उन्होंने हिंसा में शामिल लोगों को अक्षम्य बताते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राज्य सरकारें ऐसी ताकतों को संरक्षण और समर्थन

देती नजर आ रही हैं। नकवी ने कहा कि वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए यह संशोधन आवश्यक था। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले इन संपत्तियों का दुरुपयोग होता था, जिससे धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए उपलब्ध धन का दुरुपयोग होता था। नकवी का यह बयान वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद को और तेज कर सकता है। उन्होंने विपक्षी दलों और हिंसा समर्थकों पर तीखे आरोप लगाकर इस मुद्दे को एक नया मोड़ दे दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली के पूरे परिदृश्य को बदल दिया : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में 14 अप्रैल, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) द्वारा आयोजित 2 दिवसीय अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन (एआईएफएसएस) का उद्घाटन किया। इसका विषय 'नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन और आतंकवाद से निपटने में फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका' था। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश; आर वेंकटरमण, भारत के अटॉर्नी-जनरल; न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम; अध्यक्ष एनएचआरसी; मनन कुमार मिश्रा, अध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ इंडिया और गोविंद मोहन, केंद्रीय गृह सचिव ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार न्यायिक प्राइमर 'अनफोल्डिंग फोरेंसिक्स' और 'ऑल इंडिया फोरेंसिक साइंसेज समिट 2025 की कार्यवाही' का भी शुभारंभ किया। शाह ने 'ऑल इंडिया फोरेंसिक साइंस हैकाथॉन' और

'इंटर-कैंपस हिंदी प्रतियोगिता' के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी व्यवस्था स्थापित की गई है, जिसमें न तो आरोपी और न ही शिकायतकर्ता के साथ अन्याय होता है। इस संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रक्रिया में एकीकृत करना आवश्यक है।शाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 2009 और 2020 में उठाए गए कदम न केवल कुशल पेशेवरों का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जटिल मामलों में फोरेंसिक विश्लेषण के लिए एक विश्वसनीय संस्थान बन गया है और देश की फोरेंसिक प्रयोगशालाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने के लिए एक केंद्र के रूप में भी विकसित हुआ है।

मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर बोले रॉबर्ट वाड्रा, गलत करने वालों को सजा मिलनी चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा ने बेल्जियम में भगोड़े मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी और वक्फ संशोधन कानून को लेकर न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए अपनी बात रखी। रॉबर्ट वाड्रा अपने जन्मदिन से 10 दिन पहले से जरूरतमंदों की सेवा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कई सवालों के जवाब दिए। बेल्जियम में भगोड़े मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि ये बहुत अच्छी खबर है। अगर किसी ने कुछ गलत किया है तो उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर उन्होंने कहा कि भेदभाव की राजनीति लोगों को तोड़ेगी। हमें एकजुट होना चाहिए। हमारे देश में इतनी समृद्ध विरासत और संस्कृति है। हमें भेदभाव और धर्म की राजनीति से बचना चाहिए। एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करना चाहिए। धर्म का गलत इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि चाहे मस्जिद जाना हो, मंदिर हो, चर्च हो या कोई और धार्मिक स्थल, मैं हर जगह समान भाव से प्रार्थना करता हूं। मुझे हर जगह समान सम्मान और शांति मिलती है, मेरे लिए हर जगह बराबर है। हमारे देश में धर्मनिरपेक्ष रहना बहुत जरूरी है।इसके अलावा रॉबर्ट वाड्रा ने जन्मदिन से पहले लोगों की सेवा करने के सवाल पर कहा कि मैं अपने जन्मदिन के 10 दिन पहले से ही लोगों की सेवा करता हूं। पूरे साल में देश के हर कोने में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का प्रयास करता हूं। जन्मदिन से दस दिन पहले मैं जहां भी पहुंच सकता हूं, वहां पहुंचकर लोगों की सेवा करता हूं। जरूरतमंद लोगों में चाहे बेटियां हों, बुजुर्ग हों या कोई और, मैं मन लगाकर उनकी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करता हूं। चाहें कंप्यूटर, ट्राई साइकिल या कपड़े देने हों या अन्य आवश्यक वस्तुएं, इसके लिए हमें किसी अवसर की जरूरत नहीं पड़ती। जहां भी कोई मुश्किल में होता है, हम वहां पहुंचते हैं।उन्होंने कहा कि हम भंडारा आयोजित करते हैं और हर समय किसी न किसी रूप में सेवा करते रहते हैं।

संपादक की कलम से

एआइ की मदद से लिखे जा रहे हैं प्रेम पत्र

इन दिनों चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बोलबाला है. इसे संक्षेप में एआइ कहा जाता है और अपने इसी नाम से यह अधिकांश लोगों के बीच जाना जाता है. बहुत से लोग कह रहे हैं कि इससे दुनिया की तसवीर बदल जायेगी. इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि 2030 तक यह तकनीक मनुष्य के दिमाग की बराबरी कर लेगी और एक तरह से सभ्यता का अंत नजदीक है. क्या होगा, यह तो समय ही बतायेगा. अमेरिका में जब चैट जीपीटी से एक किशोर ने बार-बार सवाल पूछे, तो उसने नाराज होकर कहा कि तुम्हें कुछ नहीं आता है. बेहतर है कि तुम मर जाओ. जब इसकी शिकायत की गयी, तो चैट जीपीटी के कर्ता-धताओं ने माफी मांग ली. आप सोचिए भला, कि क्या कोई अध्यापक अपने छात्र से ऐसी बात कह सकता है. यदि वह ऐसा कहेगा, तो उसका क्या होगा. इसी तरह अभी एक व्यक्ति ने एआइ कोड असिस्टेंट से जब कई प्रश्न पूछे, तो उसे असिस्टेंट से डांट पड़ी कि अपना काम खुद करना सीखो. असिस्टेंट ने यह भी कहा कि मैं तुम्हारे लिए कोड नहीं लिख सकता. क्योंकि इस तरह तो मैं तुम्हारा काम कर दूंगा. फिर तुम क्या करोगे. उस व्यक्ति ने असिस्टेंट से जुड़े फोरम पर शिकायत दर्ज करायी और कहा कि समझ में नहीं आ रहा कि यह एआइ असिस्टेंट आखिर है किसलिए. मैंने एक घंटे की कोडिंग की थी और इसने किसी भी तरह की सहायता करने से मना कर दिया.

चैट जीपीटी से तो लोग आजकल कालेजों का टाइम टेबल भी बनाने लगे हैं. पढ़ाने की तैयारी भी करते हैं. जो समझ में नहीं आता, उसे चैट जीपीटी से पूछ लेते हैं. कई बार यह भी वैसी ही गलतियां करता है, जैसा कि गूगल मैप. हालांकि बहुत से युवाओं का मानना है कि एआइ उनकी बहुत सहायता भी करता रहा है. खास तौर से संदेश लिखने में. पर कभी-कभी इसका उल्टा भी हो जाता है. एक लड़की ने कहा कि उसके मित्र ने डेटिंग एप पर उसे एक ऐसा संदेश भेजा जिसमें बहुत अच्छी बातें लिखी थीं. यहां तक कि भाषा से संबंधित कोई गलती भी नहीं की थी उसने. बल्कि दिन पर दिन उसके संदेश बहुत अच्छे होते चले गये. उनमें उसकी केयर और प्यार की भावना छिपी हुई थी. मैं उसकी मानवीयता से बहुत प्रभावित हुई. वह बार-बार मिलने की जिद कर रहा था. मैं भी उससे मिलना चाहती थी. पर जब मैं मिलने गयी, तो उसके व्यवहार को बहुत अलग पाया. उसकी बातचीत की भाषा भी वैसी नहीं थी जैसा वह लिखता था. मुझे लगता है, उसने जरूर उन संदेशों को लिखने में एआइ की मदद ली होगी. वह वास्तव में वैसा था ही नहीं जैसा मैंने उन संदेशों को पढ़कर उसे समझा था. एक और लड़के ने बताया था कि एक बार वह अपनी पार्टनर से एक मुश्किल बात कर रहा था. इसमें एआइ ने उसकी मदद की कि ठीक से संदेश कैसे लिखें. एक लड़की ने कहा कि जब से मैंने एआइ की मदद से संदेश लिखना शुरू किया है, उनमें कोई गलती नहीं होती.

आजकल लोग प्रेम करने के लिए मशीन से मदद ले रहे हैं, यानी कि उनके पास अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए जो भाषा होनी चाहिए, जो भावनाएं होनी चाहिए, वह कहीं गायब हो गयी हैं. कुछ दिन पहले खबर आयी थी कि लड़के-लड़कियां डेटिंग पर जब जाएं, तो क्या-क्या बातें करें, कैसे समझें कि जिससे मिल रहे हैं वह उनसे प्रभावित है कि नहीं और उसे प्रभावित कैसे करें, इसके लिए बाकायदा कक्षाओं में जा रहे हैं और भारी-भरकम फीस चुका रहे हैं. एक समय में प्रेम पत्रों का बहुत महत्व रहा है. जिससे प्रेम किया, उससे विवाह न भी हो सका तो भी उन पत्रों को बहुत से लोग जीवनभर संभालकर रखते थे. हिंदी फिल्मों ने भी प्रेम के महत्व को बहुत बढ़ाया था. मगर अब मेल, व्हाटसएप, इंस्टा आदि के जमाने में चिट्ठियों का ही समय खत्म हो गया, तो पत्र आयें कहां से. पर एक चीज कहीं खत्म होती है, तो किसी दूसरी तरह से शुरू हो जाती है. कुछ वर्ष पहले इटली के बारे में पढ़ा था कि वहां प्रेम पत्र लिखना सिखाने के लिए एक स्कूल खोला गया है. आश्चर्य होता है कि पुराने जमाने में जब न प्रेम पत्र लिखना सिखाने के लिए कोई स्कूल था, न एआइ ही थी, तब लोग कैसे प्रेम पत्र लिखते थे. किस तरह से उन्हें तरह-तरह के इत्रों और खुशबू से सराबोर करते थे. यहां तक कि किसी लड़की को प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए उसकी सबसे अच्छी सहेली को अपनी बहन बना लेते थे और लड़कियां लड़के के दोस्त को भाई.

प्रेम में जो कोमलता होती है, चाहत होती है, एक-दूसरे की हर तरह से मदद करने की इच्छा होती है, जब तक वह नहीं है, तब तक कोई मशीन या कोई अध्यापक उसे समझा भी नहीं सकता. हमारे मध्यवर्गीय युवाओं की यह मुसीबत भी है कि अरसे से वे कहते रहे हैं कि ह्यकरियर के आगे नो टाइम फॉर रिलेशनशिप्स.ह्न इसलिए वह भाषा भी गायब हो गयी है, जिससे प्रेम की मासूमियत की अभिव्यक्ति होती थी. बहुत से एआइ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भावनात्मक रिश्तों में इसका अधिक इस्तेमाल अच्छा नहीं है. न ही यह उन भावनाओं को सही तरह से व्यक्त कर सकता है जो आपके मन में किसी के लिए होती हैं.

टैरिफ युद्ध ट्रम्प की नीयत में खोट

—जगदीश रत्तनानी

ट्रम्प ने 3 अप्रैल को जो टैरिफ युद्ध छेड़ा है उसके माध्यम से अमेरिका वैश्विक व्यवस्था से बाहर निकल रहा है जिसे अब वह 'पागलपन' के रूप में देखता है। भले ही यह वही प्रणाली है जिसे अमेरिका ने बनाया और चलाया क्योंकि इसने वैश्वीकरण के आख्यान को तत्कालीन नए विकास मंत्र के रूप में देखा और आगे बढ़ाया था। ट्रम्प ने अब काल्पनिक रूप से गणना की गई संख्याओं का एक नया सेट रखा है जो निश्चित रूप से तनाव बढ़ाएगा।

कुछ लोगों का मानना है कि आज हम जिस बदसूरत अमेरिका को देख रहे हैं, वह बदलाव का एक चरण है जिसके कारण दुनिया कठिन दौर में आ गई है क्योंकि अमेरिका ने खराब सोच, अनैतिक और संदिग्ध व्यावसायिक कौशल वाले एक गलत नेता को चुना है। अमेरिकी नीति में बनावटी बदलावों को किसी व्यक्ति के नखरे या वास्तव में एक निक्सनियन 'मैडमैन थ्योरी' (मोटे तौर पर तर्कहीन रणनीति के रूप में) को देखने के लिए, अमेरिकी समाज में गहरी दरारों को याद करता है जो वैश्वीकरण की दीर्घकालीन मदहोशी से बढ़ते तनाव के साथ जुड़ा हुआ है।

वैश्वीकरण के कई अर्थ और परिभाषाएं हैं लेकिन पिछले चार दशकों या उसके आसपास के लेंस से देखा जाए तो यह थॉमस फ्रीडमैन की पुस्तक 'फ्लैट वर्ल्ड' की धारणाओं को एक वैश्वीकृत दुनिया के वादे के रूप में प्रस्तुत किया गया है जिसमें अमेरिका स्थित एकाउंटेंट जो एक रिमोट केंद्र से काम करने वाले भारतीय के हाथों वेतन में मामूली से अंतर के कारण अपनी नौकरी खो देता है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पिछले महीने एक टेक समिट में 2016 में सिलिकॉन वैली में एक मल्टीबिलियन-डॉलर टेक कंपनी के सीईओ के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए यही सवाल उठाया था। वेंस ने पूछा- 'आय में हो रही हानि को भूल जाओ लेकिन उद्देश्य की भावना के नुकसान की भरपाई कैसे होगी, गरिमा की हानि की भरपाई कैसी होगी?' फिर वेंस ने सीईओ से मिले जवाब को उद्धृत किया- 'डिजिटल, पूरी तरह से इमर्सिव गेमिंगज! वेंस ने कहा कि बैठक में उनके साथ उनकी पत्नी थीं उसने टिप्पणी की, 'हमें यहां से निकलना होगा। ये लोग पागल हैं।'

ट्रम्प ने 3 अप्रैल को जो टैरिफ युद्ध छेड़ा है उसके माध्यम से अमेरिका वैश्विक व्यवस्था से बाहर निकल रहा है जिसे अब वह 'पागलपन' के रूप में देखता है। भले ही यह वही प्रणाली है जिसे अमेरिका ने बनाया और चलाया क्योंकि इसने वैश्वीकरण के आख्यान को तत्कालीन नए विकास मंत्र के रूप में देखा और आगे बढ़ाया था। ट्रम्प ने अब काल्पनिक रूप से गणना की गई संख्याओं का एक नया सेट रखा है जो निश्चित रूप से तनाव बढ़ाएगा, वैश्विक व्यापार को मार देगा और विश्व व्यापार संगठन के अंत का संकेत देगा। दर्द का असर विश्वव्यापी होगा लेकिन इसकी जड़ें अमेरिका के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में हैं। बंद हो रहे कारखानों, छंटनी के बार-बार आने वाले दौर, बढ़ती उपभोक्तावादी संस्कृति, आक्रामक, यहां तक कि अनुचित दखलदांजी करने वाली मार्केटिंग प्रणाली, ट्रेड यूनियनों और सामान्य रूप से श्रमिकों की आवाज का कमजोर होना तथा अमेरिका के कॉर्पोरेट क्षेत्र की भारी शक्ति ने एक साथ योगदान दिया है जिसकी वजह से एक ऐसी स्थिति बन गयी है जिसे अब वैश्वीकरण और उसके सहयोगी 'आउटसोर्सिंग बूम' की बीमारियों के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। फिर भी ट्रम्पवाद यह नहीं देखेगा या नहीं देख सकता है कि वैश्वीकरण पूंजीवाद के विस्तार से अलग नहीं हुआ है और वास्तव में पूंजीवाद के विस्तार से ज्यादा कुछ नहीं है।

आखिरकार यह एक ऐसी प्रणाली है जो सबसे कम मजदूरी के लिए जानी जाती है और अधिकतम लाभ की प्राप्ति की नीति के अनुसार चलती है। भले ही यह श्रमिकों के जीवन की कीमत पर हो। उदाहरण के लिए, चीन में कई लोगों ने एप्पल के लिए चलाए जा रहे आई-फोन असेंबली प्लांट्स में मजदूरी पर काम करते हुए आत्महत्या कर ली है। उनके काम की जो परिस्थितियां हैं वे अमेरिका में अपराध हैं। उपरोक्त उदाहरण आईसबर्ग का दिखाई देने वाला ऊपरी सिरा है। ऐसी कई ज्यादातियां है जिनसे दुनिया अनजान है। उक्त उदाहरण मिल्टन फ्रीडमैन की सच्ची भावना को बताता है जिन्होंने 13 सितंबर, 1970 को लिखा था- 'एक व्यवसाय की सामाजिक जिम्मेदारी अपने मुनाफे को बढ़ाना हैज। वह बिना किसी जिम्मेदार व्यवहार के एक शेयरधारक मूल्य का पीछा करते हुए पूंजीवाद के विचार को वैध बनाकर व्यापार के लिए मुनाफे की दौड़ में शामिल होने के लिए स्वतंत्र है।

आज की पीड़ादायक प्रकृति पर विचार करें- क) 2019 में कॉर्पोरेट अमेरिका ने औपचारिक रूप से फ्रीडमैन सिद्धांत को खारिज कर दिया (2019 बिजनेस राउंडटेबल में 181 शीर्ष वैश्विक सीईओ ने शेयरधारक प्रधानता को खारिज करते हुए व्यापार निगम के एक नए उद्देश्य पर हस्ताक्षर किए), ख) डीईआई सिद्धांतों (विविधता, इक्विटी, समावेशिता) और ग) पृथ्वी और पृथ्वीवासियों ('पृथ्वी - पृथ्वीवासी- लाभ' का दिखावा) के लिए खड़े होने की मांग की लेकिन ड) वह विश्व के दूरदराज हिस्सों से अनुबंधों के साथ श्रम लागत को कम करने के पक्ष में खड़ा होगा, जो वैश्वीकरण है और प्रभावी रूप से फ्रीडमैन के सिद्धांत के अनुसार- काम पर अधिकतम मुनाफा कमाना उद्देश्य है। ऐसा लग रहा था कि फ्रीडमैन मारा गया लेकिन फ्रीडमैन का सिद्धांत फल-फूल रहा है!

यह मैश अप पूरा हो गया है जब ट्रम्प, व्यवसायों को अ) डीईआई को अस्वीकार करने के लिए कहता है, आ) डंप स्थिरता और इ) करों को तेज गति से कम कर मुनाफे का जश्न मनाते हैं लेकिन ई) अमेरिका को महान बनाने के मिशन पर काम करता है जो फ्रीडमैन मुनाफे पर दिशाहीन फोकस से बहुत अलग है। यह एक प्रकार से फ्रीडमैन की भौंडी नकल है जो न यहां की है और न ही वहां की है। इसके विचार सीमा पर ही खंडित हो जाते हैं, सत्ता केंद्रीकृत और शक्तिशाली होती है जबकि राज्य को प्रभावी ढंग से भंग किया जा रहा है। असहमति जाहिर करने वाली आवाजों को खामोश कर दिया जाता है। चुप रहने वालों में ऐसे व्यवसाय शामिल हैं जो आसानी से (और शायद खुशी से) डीईआई को बाहर फेंकने के लिए राजी हैं। आज अमेरिका में छात्र आंदोलन और अन्य राजनीतिक ताकतें चुप हैं, उन्हें विरोध में खड़े होना मुश्किल लगता है।

फ्रीडमैनाइट विचार के लिए सरकार के नेतृत्व में ऊपर से नीचे तक का नियंत्रण घिनौना है। इनमें से कुछ बिन्दु पतन के लिए तैयार इस प्रणाली की संरचनात्मक विसंगतियों की ओर इशारा करते हैं जो सही समय या परिस्थितियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि पूंजीवाद ने अपना रास्ता खो दिया है और यह उसी देश में है जो पूंजीवाद का सबसे बड़ा समर्थक है। ट्रम्प की क्रूर चालें इसे पतन से बचाने की बड़ी लड़ाई हैं चाहे इसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

आज मूल्यों की ऐसी सभी बातें हट गई हैं और वास्तव में अमेरिका नग्न खड़ा दिखाई देता है। यह नई विश्व व्यवस्था नहीं है जिसकी परिकल्पना विश्व व्यापार संगठन के गठन के समय की गई थी। आरएसएस की आर्थिक शाखा स्वदेशी जागरण मंच के अश्विनी महाजन का यह कहना सही है कि विश्व व्यापार संगठन की पूरी तरह से अवहेलना की जा रही है और इसकी समाप्ति के साथ भारत को ट्रिप्स या बौद्धिक संपदा अधिकार समझौते के व्यापार संबंधी पहलुओं से मुक्त होना चाहिए। बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलू विश्व व्यापार संगठन की उपज है। महाजन के अनुसार रॉयल्टी की समाप्ति के मामले में ट्रिप्स ने भारत को भारी नुकसान पहुंचाया था। रायल्टी भुगतान 17 अरब अमरीकी डालर से अधिक हो गया है।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक अनाज जरूरी

– बाबा मायाराम

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं। छत्तीसगढ़ के एक छोटे कस्बे गनियारी में कांग, कोसरा, कुटकी और मड़िया की फसलें हवा में लहलहा रही हैं। कांग के हरे पौधे में सुनहरी लम्बी बालियां मोह रही हैं। कोसरा में मोतियों की तरह दाने हैं। मड़िया की बालियां किसी गुड़िया की चोटियों की तरह खड़ी हैं। लेकिन यह बारिश की फसल नहीं, गर्मी की फसल है। आज इस कॉलम में पौष्टिक अनाजों की चर्चा करें, जो पूरी तरह जैविक हैं, और सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

हाल ही मैं यहां अप्रैल के पहले हफ्ते में गया था। यह जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का खेत था। खेत में लहलहाती फसल को बहुत देर तक देखते ही रहा। हरे-भरे खेत थे और बालियां दानों से भरी थीं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था वैसे तो स्वास्थ्य पर काम करती है, लेकिन सिर्फ इलाज ही नहीं, रोगों की रोकथाम पर ध्यान देती है।

इस संस्था में प्रायः जाता रहता हूं। एक तो यहां कम कीमत में अच्छा इलाज होता है, दूसरा यहां स्वास्थ्य को समग्रता से देखा जाता है। संस्था ने कृषि कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किया है। आयुर्वेद चिकित्सा से भी इलाज की व्यवस्था की है। यह सब मुझे प्रभावित करते हैं।

आगे बढ़ने से पहले संस्था के बारे संक्षिप्त में जानना उचित होगा। जन स्वास्थ्य सहयोग (जेएसएस) स्वास्थ्य पर काम करने वाली गैर सरकारी संस्था है,जो यहां वर्ष 1999 से कार्यरत है। स्वास्थ्य की मौजूदा हालत से चिंतित होकर दिल्ली के कुछ मेधावी डाक्टरों ने इसकी शुरूआत की थी। जन स्वास्थ्य सहयोग केन्द्र, बिलासपुर से 20 किलोमीटर दूर गनियारी में स्थित है।

संस्था के कार्यकर्ता बताते हैं कि ग्रीष्मकाल में पौष्टिक अनाज की खेती का प्रयोग साल 2014-15 से चल रहा है। यह पूरी तरह जैविक है, रासायनिक खादों का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है। पहले इन अनाजों का थरहा डाला जाता है, उसके बाद रोपाई के बाद निंदाई-गुड़ाई की जाती है। और फसल पक जाती हैं।

बिलासपुर जिले का यह इलाका अचानकमार के जंगल से लगा है। अन्य जातियों के अलावा गोंड और बैगा आदिवासी यहां के बाशिन्दे हैं। बैगाओं की पहचान उनकी बेंवर खेती (झूम खेती और अंग्रेजी में इसे शिफ्टिंग कल्टीवेशन कहते हैं) से होती है, जिसमें वे कई तरह के अनाज एक साथ होते थे। इसमें अनाज के साथ दालें भी होती थीं। यह खेती संतुलित व पर्याप्त भोजन देने में सक्षम थी।

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं। इस कृषि कार्यक्रम के दो हिस्से हैं। एक तो जन स्वास्थ्य सहयोग की जमीन पर विविध देसी बीजों की फसलें उगाना, उनकी जानकारी एकत्र करना, उन्हें संरक्षित करना, देसी बीज और उनकी जानकारी किसानों तक पहुंचाना।

अबॉर्शन के बाद फिर कर रहे हैं बच्चा प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपका गर्भपात हुआ है और आप फिर से बच्चे के लिए प्लानिंग कर रही हैं तो कुछ बातों का आपको ध्यान रखना चाहिए. गर्भपात के बाद शारीरिक स्थिति ऐसी नहीं होती है कि तुरंत गर्भधारण किया जा सके. इसके अलावा यह भी निर्भर करता है कि गर्भपात कौन से महीने में किस प्रकार से हुआ है. गर्भपात के कई कारण हो सकते हैं. दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है. एक्सपर्ट बता रहे हैं कि आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

गर्भपात के बाद शरीर को पूरी तरह से उबरने में समय लगता है. यह इस बात पर निर्भर करता है कि गर्भपात किस महीने में किस प्रकार से हुआ. गर्भधारण जितना लंबा होता है, गर्भपात के बाद उससे उबरने में उतना ही ज्यादा समय भी लगता है. कई बार तो गर्भपात के बाद ब्लीडिंग भी होती रहती है. जिससे इंफेक्शन का खतरा रहता है. इसके अलावा दोबारा गर्भधारण करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि महिला का मानसिकऔर शारीरिक स्वास्थ्य कैसा है. गर्भपात से पूरी तरह से उबरने के बाद ही दोबारा से गर्भधारण के लिए प्रयास करना चाहिए. यदि उबरने से पहले फिर से गर्भधारण हो जाता है तो इसमें जच्चा और बच्चा दोनों को खतरा रहता है.

कितने दिन बाद दोबारा करें गर्भधारण

डॉक्टर कहते हैं कि गर्भपात से उबरने के तुरंत बाद भी गर्भधारण किया जा सकता है. हालांकि इसमें रिस्क रहता है. गर्भपात के तीन महीने बाद दोबारा से गर्भधारण करने की सलाह डॉक्टर देते हैं. डॉक्टर कहते हैं कि गर्भपात के बाद महिला का शरीर एक सप्ताह बाद ही ओव्यूलेट करने के लिए तैयार हो जाता है. यदि इस दौरान गर्भधारण हो जाता है तो महिला के लिए खतरनाक हो सकता है. तीन महीने में महिला मानसिकऔर शारीरिक रूप से गर्भधारण करने के लिए पूरी तरह से तैयार होती है. इसलिए गर्भपात के तीन महीने बाद ही गर्भधारण करने की सलाह दी जाती है. गर्भपात के बाद मानसिक और शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ता है. दोबारा गर्भधारण करने के लिए आपको कुछ सावधानी बरतने की जरूरत होती है.

बदहाल हैं, यम की बहन यमुना

– वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है।

प्रयागराज का महाकुभ हमें मौका दे रहा था कि पवित्र, पूज्य यमुना नदी को शुध्दजल से पोषित नदी बनाने पर वाक्युद्ध समाप्त कर कर्मयुद्ध का प्रारंभ होता। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान यमुना प्रदूषण पर राजनैतिक बयानबाजियों की शुरूआत हुई थी। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा 'छठ पूजा' पर रोक के आदेश और फिर 'यमुना को हरियाणा से जहरीली बनाकर भेजा जा रहा है' - जैसे आरोपों का द्वंद्व 'चुनाव आयोग' व न्यायालयों तक भी पहुंच गया था। चुनौतियां दिल्ली में 'यमुना जल पीकर दिखाने' तक पर आ गई थी। अंततः चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में दिल्ली पहुंचे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ का प्रसंग छेड़ दिया था। चुनौती भरे लहजे में उनका कहना था कि जैसे महाकुंभ में उन्होंने अपने मंत्रीमण्डलीय सहयोगियों के साथ संगम में डुबकी लगाई थी, क्या वैसे अरविंद केजरीवाल और दिल्ली राज्य की 'आप कैबिनेट' कर सकती है?

महाकुंभ तो समाप्त हो गया, लेकिन उत्तरप्रदेश सरकार भविष्य के लिये इस लक्ष्य को अपनी चुनौती बना सकती है कि यमुना को प्रयागराज पहुंचने के पहले पूरी तरह से प्रदूषण-मुक्त कर, उसमें यमुनोत्री से चले मूल जल की मात्रा बढ़ाकर, श्रद्धालुओं की डुबकी के लिये इंतजाम कर दिखायेंगे। जिस दिल्ली में यमुना के प्रदूषण पर मुख्यमंत्री योगी दिल्ली के चुनावी दंगल में चुनौती दे रहे थे, उस दिल्ली में यमुनोत्री से चला दस प्रतिशत भी जल उसमें नहीं रहता। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा जल राह में निकाल लिया जाता है। इसलिये समझ लें कि यमुना, जो दिल्ली के आगे आगरा, मथुरा और संगम तक भरी-पूरी दिख रही है, उसका बहुत बड़ा अंश अनुपचारित-उपचारित सीवर जल का ही होगी।

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है। वर्तमान में तो यमुना देश की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है। संवेदित जन, संवेदित संत, संवेदित राजनेता, संगम में डुबकी लगाने वाले करोड़ों आम लोग प्रदूषण-मुक्त या न्यूनतम प्रदूषण ढोती यमुना को संगम में पहुंचाने के लिये संकल्पित हो जाते तो दिल्ली में भी यमुना की दशा सुधरने में मदद मिल जाती।

'राष्ट्रीय हरित अधिकरण' के महाकुंभ में निर्देश के पीछे उसके तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की यह तीखी टिप्पणी भी है कि जो अनजान, भोले श्रद्धालु बहुत आदर भाव से गंगाजल में नहाते हैं व उसे पीते हैं, वे इससे होने वाले स्वास्थ्य के खतरों से अनभिज्ञ होते हैं। अब आवश्यकता है कि धूम्रपान के खतरों से बचाने के लिए सिगरेट के पैकेटों पर छपी चेतावनियों की ही तरह गंगाजल के उपयोग के खतरों की चेतावनियां देकर आमजन के जीवन के अधिकार को सुरक्षित किया जाये। तब गंगा सफाई के राष्ट्रीय मिशन और 'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' को भी दो सप्ताहों के भीतर अपनी-अपनी वेबसाइटों पर प्रमुखता से यह दिखाने के लिए कहा गया था कि किन-किन स्थानों पर गंगाजल नहाने व पीने के लिए ठीक है, कहां नहीं।कुंभ समाप्ति के बाद भी नदी जल की शुद्धता सवालों के घेरे में रही है, किन्तु ऐसा भी नहीं है कि नदियों, सरोवरों के प्रदूषित होने की चेतावनियों के बाद आस्थावान इनमें डुबकी न लगायें या आचमन करने का जोखिम न उठायें। खतरनाक प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाने व आचमन करने का जोखिम श्रद्धालु निरंतर सालों से उठा रहे हैं। दिल्ली में ही 'छठ पूजा' में महिलायें यमुना के झाग में नहा रही थीं। इसकी तस्वीरें दिखाकर दिल्ली के मुख्य सचिव को काफी कुछ सुनाया भी गया था। आस्था बहुत बड़ी बात है इसीलिये कहीं भी धार्मिक पर्वों व अनुष्ठानों में डुबकी लगाने की चुनौती देना बहुत अर्थ नहीं रखता है।

यमुना की राह में पड़ने वाले हर नगर की कहानी व समस्या एक जैसी है। 'सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट' (एसटीपी) क्षमता भर काम नहीं करते हैं। नगरों, महानगरों, गांवों, कस्बों में जितना अपशिष्ट पैदा होता है वह सब 'एसटीपी' में नहीं पहुंचता। प्रयागराज में ही महाकुंभ के पहले 81 नालों से करीब 290 मिलियन लीटर अपशिष्ट प्रतिदिन बहता था, किन्तु इसका केवल 178 मिलियन लीटर प्रतिदिन दस 'एसटीपी' में जाता था। 81 में से 44 नाले गंगा में 74 मिलियन लीटर सीवरेज डाल रहे थे। यह यमुना की अस्मिता को चोट पहुंचाना ही हुआ। गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों से हमारा व्यवहार अमानवीय है, इसकी ही स्वीकारोक्ति नैनीताल हाईकोर्ट के 20 मार्च 2017 के एक ऐतिहासिक आदेश में की गई थी। अदालत ने कहा था कि गंगा, यमुना को जीवित मानकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी कतिपय अधिकारियों को दी जाय। हालांकि इस आदेश के विरूद्ध केन्द्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय में गई और पहले तात्कालिक रूप से आदेश स्थगित किया गया व बाद में निरस्त कर दिया गया। प्रयागराज के पूर्णकुंभ में यमुनोत्री से शुरू हुई पावन यमुना के कष्टों को कम करने का ईमानदार संकल्प संगम तट पर पहुंचा हर श्रद्धालु ले लेता तो यमुना का ऋण, मृतप्राय होना कुछ कम होता। कई मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री व राष्ट्रपति महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे थे। आलीशान शिविर संचालित करने वाले मठाधीशों की संख्या भी कम नहीं थी। अब भी केवल आरतियों के मंहगे तमाशों से बाहर निकलकर वे ही ठोस कुछ करने लगें तो कम न होगा। यमुना की वेदनामयी हालत देखकर तो यही लगता है कि जगह-जगह, चाहे पूर्वोत्तर हो या मध्यप्रदेश, 'नमामि गंगा' के बाद विभिन्न राज्यों में अपनी-अपनी नदियों को नमामि कहना औपचारिकता भर है।

भारत का शाही हीरा 14 मई को जिनेवा में होगा नीलाम

एजेंसी

जिनेवा। भारत की कभी शान रहा शाही हीरा गोलकोंडा ब्लू पहली बार जिनेवा में नीलाम होने जा रहा है। इसकी नीलामी 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज कंपनी करेगी। इसकी कीमत करीब 36 से 48 मिलियन डालर (300 से 400 करोड़ रुपये) के करीब आंकी जा रही है। क्रिस्टीज कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला नायाब हीरा है। इसे पेरिस के एक डिजाइनर ने अंगूठी में जड़ा है। नीलामी को लेकर जिनेवा में तैयारी की जा रही हैं। यह हीरा पूर्व में भारत के इंदौर और बड़ौता महाराजाओं के पास था। लेकिन कालांतर में किसी तरह जिनेवा जा पहुंचा।

बलूच विद्रोहियों ने ईरान में आठ पाक नागरिकों को गोलियों से भूना

तेहरान। बलूच विद्रोही अब विदेश में भी पाकिस्तान के नागिरकों को मारने से बाज नहीं आ रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने ईरान के सिस्तान प्रांत में पाकिस्तान के आठ नागरिकों की हत्या कर दी। वह सभी ईरान के एक कार वर्कशाप में बतौर मैकेनिक काम करते थे। इस हमले की जिम्मेदारी बलोच नेशनलिस्ट आर्मी नामक संगठन ने ली है। यह संगठन बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराने की मांग कर रहा है। उधर पाकिस्तान और ईरान ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टीपू के मुताबिक बीते दिन हुई इस घटना की संयुक्त जांच के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदाम ने कहा है कि आतंकवाद पूरे क्षेत्र के लिए साझा खतरा है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय मुताबिक घटनास्थल पाकिस्तान की सीमा से करीब 230 किलो मीटर दूर है। मारे गए सभी आठों लोग पंजाब के बहावलपुर शहर के निवासी थे। मृतकों की पहचान दिलशाद, उनके बेटे मोहम्मद नईम, जफर, दानिश, नासिर के रूप में हुई है। तीन अन्य के नामों का पता किया जा रहा है।

यूरोपीय संघ को अमेरिका से जासूसी का खतरा, रखेंगे बर्नर फोन

बेल्जियम। यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच संबंधों में दरार की आशंका पैदा हो गई है। इसलिए यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारी जब अमेरिका का दौरा करेंगे तो वह सुरक्षा के लिहाज से बर्नर फोन और साधारण लैपटाप का ही इस्तेमाल करेंगे। यह कदम अमेरिका द्वारा संभावित जासूसी की आशंका को देखते हुए उठाया गया है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच खासे अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन जब से डोनाल्ड ट्रम्प दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से कुछ अविश्वास की दरार देखी जा रही है। इसके पीछे अहम वजह ट्रम्प द्वारा नाटो सहयोगियों की आलोचना करना, रूस के प्रति नरम रूख अपनाना और व्यापारिक टैरिफ माने जा रहे हैं। इसके अलावा हाल में ही सिंग्नल मैसेजिंग प्लेट फार्म पर ट्रम्प प्रशासन के उच्च अधिकारियों की बातचीत लीक होने से अविश्वास और गहरा होता दिखाई दे रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय कमीशन ने अपने अधिकारियों को सलाह दी है कि वह अमेरिका जाते समय अपने नियमित मोबाइल फोन और डिवाइस की जगह डिस्पोजेबिल बर्नर फोन व बेसिक लैपटाप का ही प्रयोग करें। डर है कि अमेरिकी प्रशासन उनकी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच सकता है। यूरोपीय अधिकारी जब भी बैठकों में शामिल होंगे तो इन फोनों का ही प्रयोग करेंगे। जिससे उनकी जानकारी सुरक्षित रह सके। गौरतलब है कि पहले यह सावधानी चीन और यूक्रेन जैसे देशों की यात्रा के दौरान ही अपनाई जाती थी। दरअसल बर्नर फोन सस्ते और अस्थाई होते हैं। आमतौर पर उनका इस्तेमाल गोपनीयता बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह फोन आसानी से बदले या फिर नष्ट किए जा सकते हैं, जिससे डेटा चोरी होने का खतरा काफी कम होता है।

दक्षिण पूर्व एशिया दौरे पर बोले शी जिनपिंग- टैरिफ वॉर में कोई विजेता नहीं

हनोई (वियतनाम)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे की शुरुआत करते हुए कहा कि टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और चीन वैश्विक स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 145 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए हुए हैं। हालांकि कुछ टैरिफ अस्थायी रूप से रोके गए हैं। वियतनाम और चीन की सरकारी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में शी जिनपिंग के हवाले से लिखा, हमारे दोनों देशों को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, स्थिर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और खुले तथा सहयोगी अंतरराष्ट्रीय माहौल की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। शी जिनपिंग का यह दौरा चीन को दक्षिण पूर्व एशिया में एक जिम्मेदार महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, खासकर अमेरिका की टैरिफ नीतियों की पृष्ठभूमि में। सिंगापुर स्थित आईएसईएएस- यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट के रिसर्चर गुयेन खाक जियांग के अनुसार, यह दौरा चीन की वैश्विक छवि को अमेरिका से अलग दर्शाता है। शी ने कहा, वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में चीन और वियतनाम की शांतिपूर्ण विकास की प्रतिबद्धता दुनिया के लिए स्थिरता और भरोसे का संदेश है। यह दौरा चीन के लिए अपने व्यापारिक साझेदारों को मजबूत करने और अमेरिका के बढ़ते टैरिफ के बीच विकल्प तलाशने का भी अवसर है।

प्रचण्ड का दावा- जल्द टूटेगा गठबंधन, ओली ने कहा, ये प्रचंड का दिवास्वप्न

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के नए साल पर शुभकामना देते हुए माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने दावा किया कि नए साल में देश को नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा। तत्काल इसका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न से अधिक कुछ नहीं है। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी के अध्यक्ष प्रचण्ड ने नेपाली नव वर्ष पर देशवासियों को शुभकामना संदेश देते हुए नए साल में देश की जनता को नई सरकार और नए गठबंधन की सौगात मिलने की बात कही है। जारी अपने वीडियो संदेश में प्रचण्ड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा को ओली सरकार का साथ छोड़ कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का ऑफर दिया है। प्रचण्ड ने देउवा को कहा है कि देश को निराशा

के गर्त से बाहर लाने के लिए यह आवश्यक है कि नेपाली कांग्रेस नई सरकार का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी देउवा को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करता है। यदि कांग्रेस पार्टी चाहेगी तो वो सरकार में शामिल हो सकते हैं, लेकिन अगर वो नहीं चाहे तो बाहर से भी उस सरकार को समर्थन करने को तैयार हैं। प्रचण्ड ने विश्वास व्यक्त किया कि देश की जनता को नए साल पर जल्द ही नई सरकार देखने को मिलेगी। माओवादी अध्यक्ष के इस खुल्लम खुल्ला ऑफर पर नेपाली कांग्रेस के तरफ से तो कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सत्ता का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पलटवार किया है।

मंगलवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए ओली ने कहा कि प्रचण्ड सरकार बदलने का दिवास्वप्न देख रहे हैं। जब से सत्ता से बेदखल हुए हैं तब से प्रचंड के अंदर दोबारा सत्ता में आने की छटपटी दिखाई दे रही है।ओली ने दावा किया कि विपक्षी नेता चाहे जितनी कोशिश कर लें, लेकिन न तो सरकार बदलने वाली है और न ही गठबंधन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार बदलने का प्रचण्ड की बात सपना ही रह जाएगा।

सूडान में विद्रोहियों का शरणार्थी कैंप पर हमला, 400 से अधिक लोगों की मौतः संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

दानाई नेस्टा कुपेम्बा। सूडान में चल रहे संघर्ष के बीच एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र ने 'भरोसेमंद सूत्रों' के हवाले से जानकारी दी है कि देश के एक शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 400 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई है। यूएन के अनुसार, यह हमला सूडान में सक्रिय विद्रोही गुट रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स (ऋस्स्र) ने किया है। पिछले सप्ताह भी इस गुट ने अल-फ़शर शहर के आसपास बसे शरणार्थी शिविरों पर ज़मीनी और हवाई हमले किए थे। सूडान में अप्रैल 2023 से RSF और सरकारी सेना के बीच सत्ता को लेकर संघर्ष जारी है। खासकर दारफुर क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच नियंत्रण को लेकर हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस संघर्ष के चलते लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि बीच कम से कम 148 लोगों की मौत हुई है,

हालांकि यह भी कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हालात पर नज़र बनाए हुए हैं और वहां फंसे नागरिकों की मदद के लिए अपील कर रही हैं।

भारतीय पर्यटकों को नेपाल में प्रवेश पर नहीं हो कोई दिक्कतः बद्री प्रसाद पांडे

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर स्थित प्रवेश द्वारों पर भारतीय पर्यटकों को कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए एकीकृत प्रणाली के मुताबिक सुरक्षा जांच करने, गाड़ियों का शुल्क लेने और अन्य सभी जरूरी प्रक्रिया पूरा करने का कहा गया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि तीन स्तर की सुरक्षा जांच की व्यवस्था को खत्म करते हुए एक ही बार में सुरक्षा, गाड़ी के पास की व्यवस्था और टैक्स लेने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश नेपाल के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा और कस्टम ऑफिस को भेज दिए गए हैं। नेपाल सरकार की तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी भारतीय पर्यटक के नेपाल आगमन पर उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसका विशेष

रूप से ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही सभी प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकाय को भी यह निर्देश दिया गया है कि वह भारतीय पर्यटकों से स्थान स्थान पर लिए जाने वाले टैक्स की वसूली को बंद करें। नेपाल के गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा पर्यटन मंत्रालय ने नेपाली नव वर्ष के अवसर पर संयुक्त रूप से एक दिशा निर्देश जारी करते हुए सभी सीमावर्ती क्षेत्रों को साफ निर्देश दिए हैं। कहा है कि सड़क मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय पर्यटकों को बिना किसी परेशानी के नेपाल में आने की सुविधा प्रदान की जाए। गौरतलब है कि नेपाल के कुल पर्यटकों में 60त्न से अधिक भारतीय पर्यटकों की संख्या होती है। नेपाल आने वाले कुल भारतीय पर्यटकों में से करीब 80त्न पर्यटक सड़क मार्ग से नेपाल घूमने आते हैं। इस समय भारतीय पर्यटकों के नेपाल आगमन पर तीन स्तर की सुरक्षा जांच तथा तीन स्तर का ही टैक्स लिया जाता है, जिससे भारतीय पर्यटकों को परेशानी तो होती ही है साथ ही उनकी संख्या में भी कमी आने लगी है।

डीआरीसी की राजधानी में भारी बारिश से 70 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। देश की राजधानी किंशासा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है, यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। ताजा जानकारी के अनुसार, किंशासा के 11 स्वास्थ्य क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। वहां 5,000 से ज़्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। अब तक कम से कम 72 लोगों की जान जा चुकी है और 170 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह सब तेज बारिश और बाढ़ की वजह से हुआ। देश के पूर्वी हिस्से में स्थित तांगान्यीका और साउथ किवू प्रांतों में भी भारी नुकसान हुआ है। वहां की स्थानीय सरकार जरूरतमंदों की मदद का पूरा आकलन करने में लगी हुई हैं। किंशासा स्टेडियमों में आपातकालीन राहत केंद्र और आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। हालांकि, देश के सबसे बड़े खेल स्टेडियम %स्टेड दे मार्त्यर% में पहले ही 4,500 से ज़्यादा लोग पहुंच चुके हैं। इसलिए सरकार अब लोगों को

दूसरे स्थानों पर भेजने की योजना बना रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह स्वास्थ्य और राहत कार्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है, ताकि जरूरतमंदों को जल्दी और सही तरीके से मदद मिल सके। आने वाले दिनों में और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे 1.7 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में और ज़्यादा तबाही का डर है। यह शहर पहले से ही तेज और बिना योजना के फैलते शहरीकरण की वजह से मुश्किलों में है। यह ध्यान देना जरूरी है कि डीआरसी में आमतौर पर बारिश का मौसम नवंबर से मई तक चलता है।

युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा सबसे गंभीर मानवीय संकट का कर रहा सामना : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि गाजा में मानवीय स्थिति युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे गंभीर अवस्था में पहुंच गई है। विश्व निकाय के अनुसार, बीते डेढ़ महीने से गाजा पट्टी में कोई भी मानवीय सहायता नहीं पहुंची है, जिससे हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मामलों की समन्वय इकाई (ओसीएचए) ने अपने बयान में कहा, 18 महीने पहले जब से संघर्ष शुरू हुआ था, तब से लेकर अब तक की यह सबसे गंभीर मानवीय स्थिति है। ओसीएचए के अनुसार, गाजा में खाद्य सामग्री, चिकित्सा आपूर्ति और साफ पानी की भारी किल्लत है। अस्पतालों में दवाइयों की कमी के कारण हजारों घायल मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है, वहीं भूख

और कुपोषण के कारण बच्चों की स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है। ओसीएचए ने यह भी बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले दो महीने की संघर्षविराम अवधि समाप्त होने के बाद इजराइल ने सहायता सामग्री की आपूर्ति पूरी तरह रोक दी थी। इसके कारण राहत एजेंसियों को गाजा में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर हालात के बीच संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने सभी पक्षों से अपील की है कि मानवीय सहायता को तत्काल बहाल किया जाए और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

संयुक्त राष्ट्र ने यह भी दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के तहत संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में नागरिकों को सहायता पहुंचाना आवश्यक है। गौरतलब है कि गाजा में जारी संघर्ष ने हजारों लोगों की जान ले ली है और लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। मौजूदा हालात में अगर मानवीय सहायता जल्द बहाल नहीं हुई, तो यह संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

बुशरा बीबी की जेल में बेहतर सुविधाओं की याचिका पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अधिकारियों को जारी किया नोटिस

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी द्वारा जेल में बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया। यह जानकारी एआरवाई न्यूज की ओर से मिली। न्यायमूर्ति राजा इनाम अमीन मिन्हास की अध्यक्षता में हुई सुनवाई में बुशरा बीबी की ओर से वकील उस्मान गुल और ज़हीर अब्बास पेश हुए। अदालत ने आंतरिक सचिव, अदियाला जेल के अधीक्षक और इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि 07 अप्रैल को बुशरा बीबी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर जेल में बेहतर सुविधाएं मांगी थीं। याचिका में तर्क दिया गया कि वह एक पूर्व प्रथम महिला हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के आवास में निवास किया है, और उनकी जीवनशैली को देखते हुए वे कानूनन विशेष सुविधाओं की हकदार हैं। वकीलों ने यह भी कहा कि इमरान खान को भी अदियाला जेल में बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं, इसलिए बुशरा बीबी को भी समान व्यवहार मिलना चाहिए। याचिका में जेल नियम 1978 का हवाला देते हुए अदालत से अनुरोध किया गया कि वह प्रतिवादियों को निर्देश दे कि वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए बुशरा बीबी को उचित सुविधाएं प्रदान करें। इसके साथ ही बुशरा बीबी और इमरान खान ने हाईकोर्ट में एक अन्य याचिका दाखिल कर 190 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग के भ्रष्टाचार मामले में दोषसिद्धि को निलंबित करने और अपील पर अंतिम निर्णय तक जमानत देने की मांग की है।

ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के लिए बाइडन प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार, 2020 चुनाव को बताया 'रिग्ड'

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को रिग्ड यानी धांधली वाला करार देते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जो बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने कहा कि अगर 2020 का चुनाव निष्पक्ष होता, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए ट्रंप ने लिखा, रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध बाइडन का युद्ध है, मेरा नहीं। मेरे कार्यकाल के चार वर्षों के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि पुतिन और अन्य सभी नेताओं ने आपके राष्ट्रपति का सम्मान किया। अगर 2020 का चुनाव रिग्ड न होता, तो यह भयानक युद्ध कभी शुरू नहीं होता। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति

बाइडन दोनों की कड़ी आलोचना की और कहा कि दोनों नेताओं ने इस संघर्ष को रोकने में विफलता दिखाई। उन्होंने कहा, ज़ेलेंस्की और क्रुक्ड बाइडन ने इस त्रासदी को शुरू होने देने में बेहद खराब भूमिका निभाई। इसे रोका जा सकता था, लेकिन अब हमें इसे जल्द से जल्द खत्म करना होगा। इससे पहले, मार्च महीने में भी ट्रंप ने बाइडन की विदेश नीति पर सवाल उठाए थे और कहा था कि उनके कार्यकाल में रूस को कुछ भी हासिल नहीं हुआ, जबकि बाइडन के समय रूस ने पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की कोशिश की। ट्रंप ने कहा, बुश के कार्यकाल में रूस को जॉर्जिया मिला, ओबामा के कार्यकाल में एक बड़ा पनडुब्बी अड्डा और जमीन का टुकड़ा मिला, लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में रूस को कुछ नहीं मिला। बाइडन के आते ही उन्होंने पूरा यूक्रेन हड़पने की कोशिश की। हाल ही में यूक्रेन के सुमी शहर पर रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले पर ट्रंप ने इसे भयावह गलती बताया। इस हमले में 34 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। ट्रंप ने कहा, मुझे बताया गया कि यह एक गलती थी, लेकिन यह एक भयानक घटना है। आखिर में ट्रंप ने कहा कि युद्ध को रोकने के लिए अब एक समझौते की जरूरत है क्योंकि बहुत से लोग मारे जा रहे हैं, जिन्हें नहीं मारा जाना चाहिए।

इसराइली सैन्य कार्रवाई से, 'सीरियाई सम्प्रभुता व राजनैतिक प्रक्रिया पर ख़तरा'

एजेंसी

न्यूयॉर्क। राजनैतिक व शान्तिनिर्माण मामलों के लिए यूएन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सचेत किया है कि हाल ही में इसराइली सैन्य कार्रवाई से सीरिया में राजनैतिक बदलाव की प्रक्रिया कमज़ोर हो रही है और दोनों देशों के बीच एक नए सुरक्षा समझौते की उम्मीद धुंधली होती जा रही है. मध्य पूर्व, एशिया व प्रशान्त क्षेत्र के लिए यूएन सहायक महासचिव ख़ालेद ख़ियारी ने सुरक्षा परिषद की एक बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया.उन्होंने कहा कि 14 वर्ष बाद सीरिया के पास स्थिरता हासिल करने का एक अवसर है, जिसे समर्थन दिया जाना होगा. क्षेत्रीय शान्ति व सुरक्षा को साकार करने का यही एकमात्र रास्ता है। सहायक महासचिव ख़ियारी ने कहा कि 8 दिसम्बर 2024 को असद शासन के पतन के बाद से अब तक, इसराइली सेना की ओर से सैकड़ों हवाई हमले किए गए हैं, जिनमें पश्चिमोत्तर हिस्से, सीरिया के तटीय इलाक़ों, पूर्वोत्तर सीरिया, दमिश्क, हमा व होम्स को निशाना बनाया गया है.नाजुक हालातइसराइली सैन्य बलों ने सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है कि गोलन क्षेत्र में दोनों देशों को अलग करने वाले बफ़र ज़ोन में अनेक ठिकाने भी बनाए गए हैं.यूएन अधिकारी ने बताया कि इसराइली अधिकारियों ने भविष्य में सीरिया में अपनी मौजूदगी बनाए रखने की बात कही है. ज़मीन पर इन तथ्यों को जल्दी से नहीं पलटा जा सकता है. इनसे सीरिया में राजनैतिक बदलाव की नाजुक प्रक्रिया को ख़तरा है. सीरिया के अनुसार, इसराइल ने 3 अप्रैल को दमिश्क, हमा सैन्य हवाई अड्डे, होम्स में सैन्य एयरपोर्ट समेत कई इलाक़ों पर हमले किए. डरा पर हुए हमलों में कम से कम 9 आम नागरिक हताहत हो गए.सीरिया में कार्यवाहक प्रशासन ने इन हमलों की निन्दा की है, उन्हें अन्तरराष्ट्रीय क़ानून व सीरियाई सम्प्रभुता का खुला उल्लंघन बताया है और इसे देश को अस्थिर बनाने की कोशिश क़रार दिया है.सम्प्रभुता का सम्मान ज़रूरीसहायक महासचिव ख़ालेद ख़ियारी ने ध्यान दिलाया कि 14 मार्च को सुरक्षा परिषद ने अपने एक वक्तव्य में सीरिया की सम्प्रभुता, स्वतंत्रता, एकता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपना पुरज़ोर समर्थन व्यक्त किया था.साथ ही, सभी देशों से इन सिद्धान्तों का सम्मान करने और किसी भी ऐसे क़दम या हस्तक्षेप से परहेज़ करने का आग्रह किया गया है, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ती हो।

ओली की पार्टी पूर्व राजा के विरोध में एक लाख युवाओं को काठमांडू की सड़कों पर उतारेगी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने पूर्व राजा के खिलाफ एक लाख युवाओं को काठमांडू की सड़कों पर उतारने का फैसला लिया है। पार्टी के प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने बताया कि यूएमएल पार्टी की आज पदाधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया है कि पूर्व राजा की

गतिविधि के विरोध में युवाओं को सड़क पर उतारा जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारा शक्ति प्रदर्शन गणतंत्र को बचाने और राजतंत्र के पक्ष में बढ़ती गतिविधि को रोकने के लिए है। इसके लिए देशभर से युवाओं को 24 अप्रैल को काठमांडू आने का आह्वान किया गया है। उन्होंने बताया कि जिस दिन नेपाल में लोकतंत्र की पुनर्बहाली हुई थी, उसी दिन यह शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने 24 अप्रैल, 2006 को ही नेपाल में हुए जनांदोलन के आगे झुकते हुए नेपाल में लोकतंत्र की पुनर्बहाली की घोषणा की थी। अब इसी दिन राज समर्थकों ने भी पहले ही अपने प्रदर्शन की घोषणा की है।

नासा ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख नीला राजेंद्र को किया बर्खास्त

एजेंसी

वॉशिंगटन । भारतीय मूल की नीला राजेंद्र, जो नासा में विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) के कामों की प्रमुख थीं, को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के तहत उठाया गया है, जिसमें सभी संघीय एजेंसियों में डीईआई कार्यक्रमों को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। राजेंद्र की बर्खास्तगी ऐसे समय में हुई है जब नासा के भीतर कई प्रयास किए गए थे कि उन्हें किसी नए पद के साथ बनाए रखा जाए। मार्च में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने उन्हें 'टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता का कार्यालय' नामक एक नए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था। यह कदम व्यापक रूप से इस प्रयास के रूप में देखा गया कि उन्हें ट्रंप के आदेश के प्रभाव से बचाया जा सके। हालांकि, भले ही उनका पद बदला गया हो, लेकिन उनके कार्य

जैसे कि कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों का संचालन और 'ब्लैक एक्सीलेंस स्ट्रेटेजिक टीम' जैसे समूहों का प्रबंधन - लगभग वही रहे। ट्रंप प्रशासन द्वारा डीईआई कार्यक्रमों पर सख्ती बढ़ाने के बाद अंततः उन्हें पद से हटा दिया गया। जेपीएल के भीतर पिछले सप्ताह भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में राजेंद्र की विदाई की पुष्टि की गई। जेपीएल की निदेशक लॉरी लेशिन द्वारा भेजे गए मेल में कहा गया, ÷नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में कार्यरत नहीं हैं। उन्होंने संगठन पर जो स्थायी प्रभाव डाला है, उसके लिए हम अत्यंत आभारी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

नीला राजेंद्र नासा में अपने वर्षों के कार्यकाल के दौरान विविधता और समावेशन बढ़ाने की कई पहलों में अग्रणी रही हैं। उन्होंने 'अंतरिक्ष कार्यबल 2030 जैसे अभियान का नेतृत्व किया था, जिसका उद्देश्य नासा के कार्यबल में महिलाओं और वंचित समुदायों की भागीदारी बढ़ाना था। उनकी बर्खास्तगी ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक नीति का हिस्सा है जिसके तहत संघीय एजेंसियों से सैकड़ों डीईआई से जुड़े पद समाप्त किए जा चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, ये कार्यक्रम सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करते हैं, विभाजन को बढ़ावा देते हैं और भेदभावपूर्ण व्यवहार को जन्म देते हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप का दूसरा चरण पेरू शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन स्टेज के दूसरे चरण की शुरुआत पेरू की राजधानी लीमा स्थित लास पालमास रेंज में मंगलवार (15 अप्रैल, 2025) से होने जा रही है। पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल होंगे। तीनों श्रेणियों-राइफल, पिस्टल और शॉटगन, में कुल 15 इवेंट्स होंगे, जिनमें 43 देशों के लगभग 400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत की 35 सदस्यीय टीम इस चरण में भाग ले रही है और साल के अंत में होने वाली प्रतिष्ठित आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले अपना दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी। पहले चरण का आयोजन पिछले सप्ताह अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था, जहां भारत ने कुल आठ पदक जीते थे, जिनमें चार स्वर्ण पदक शामिल थे। भारत तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। लीमा में भी दोनों देशों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। मंगलवार को भारतीय प्रशंसकों की निगाहें महिलाओं की एयर पिस्टल में मनु भाकर, सुरुचि और सैयम पर होंगी, जबकि पुरुषों की स्पर्धा में सौरभ चौधरी, वरुण तोमर और रविंदर स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगे।

स्पोर्ट्सस्किल अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़दम रखने को तैयार, कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का ऐलान

पुणे। खेल तकनीक की दुनिया में तेज़ी से उभर रही कंपनी स्पोर्ट्सस्किल ने 2025 के लिए अपने बड़े और महत्वाकांक्षी योजनाओं का ऐलान किया है। कंपनी ने हाल ही में वाइमिया बे इन्वेस्टमेंट्स से शुरुआती पूंजी निवेश (प्री-सीड निवेश) प्राप्त किया है, जिसे कनरथ पी. बलाराज प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस निवेश के जरिए स्पोर्ट्सस्किल अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़दम रखने की तैयारी कर रही है और खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार लाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि 2025 की दूसरी छमाही तक अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में अपनी पहुंच बनाए। इसके साथ ही स्पोर्ट्सस्किल की उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित खेल प्रशिक्षण ऐप खिलाड़ियों को आँकड़ों के आधार पर विश्लेषण और व्यक्तिगत कोचिंग प्रदान करेगी, जिससे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का एक नया मानक स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त कंपनी ने पुणे में देश का पहला उच्च प्रदर्शन गेम आधारित प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने का ऐलान किया है। इस केंद्र में खिलाड़ियों को फ़िटनेस, तकनीक और प्रतिस्पर्धात्मक जज़्बा बढ़ाने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण को खेल का रूप देकर इसे रोचक और आकर्षक बनाया गया है, जिससे खिलाड़ी मज़े के साथ-साथ पेशेवर तरीके से अपनी क्षमता को निखार सकें।

आईटीटीएफ विश्व कप 2025: मनिका, श्रीजा ने ग्रुप स्टेज के शुरुआती मैच जीते

नई दिल्ली। ओलंपियन मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने चीन के मकाऊ में आईटीटीएफ विश्व कप में अपने ग्रुप चरण के पहले मैच में जीत हासिल की।ग्रुप 16 में शामिल विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने न्यू कैलेडोनिया की मेलिस गिरेट को 4-0 (11-1, 11-2, 11-6, 11-4) से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय खिलाड़ी का सामना अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में ब्राजील की विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी ब्रूना ताकाहाशी से होगा।ग्रुप 9 में विश्व की 34वें नंबर की खिलाड़ी श्रीजा ने ऑस्ट्रेलिया की कॉन्स्टेंटिना साइहोगियोस को 3-1 (11-9, 11-4, 11-8, 6-11) से हराया। विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी रोमानिया की बर्नडेट स्ज़ोक्स ग्रुप की तीसरी खिलाड़ी हैं। मनिका और श्रीजा टूर्नामेंट में केवल दो भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। कोई भी भारतीय पुरुष पैडलर इस इवेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। टूर्नामेंट में दो चरण शामिल हैं। स्टेज 1 में, 48 खिलाड़ियों (पुरुष और महिला दोनों एकल में) को तीन के 16 समूहों में विभाजित किया जाता है। स्टेज 1 में मैच चार गेम के होते हैं, जिसमें जीत-हार के अनुपात के आधार पर अंतिम रैंकिंग होती है। प्रत्येक समूह का विजेता स्टेज 2 के लिए क्वालीफाई करेगा, जिसमें नॉकआउट ड्रॉ होगा।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। इस पांच मैचों की सीरीज में भारत पहले दो मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से खेलेगा, जबकि इसके बाद तीन मुकाबले सीनियर ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ होंगे। इस दौरे के लिए टीम की कमान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह दौरा भारतीय टीम के लिए आगामी जून में यूरोप में होने वाली एफआईएच प्रो लीग 2024-25 की तैयारियों के तहत महत्वपूर्ण साबित होगा। उल्लेखनीय रूप से पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को सीनियर टीम में शामिल किया गया है।

म्यूनिख ओपन 2025 : एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहले दौर में एलेक्जेंड्रे मुलर को शिकस्त

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने म्यूनिख ओपन 2025 की शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में फ्रांस के एलेक्जेंड्रे मुलर को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से मात दी। पिछले हफ्ते मोंटे कार्लो मास्टर्स में इटली के माटेओ बेरेत्तिनी से हारने के बाद ज्वेरेव के पास वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका था, लेकिन उस हार ने उनकी रैंकिंग को नुकसान पहुँचाया। इसके साथ ही कार्लोस अल्कराज की खिताबी जीत ने ज्वेरेव को एक स्थान नीचे खिसका दिया। अब म्यूनिख में जीत से उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारियों को नई दिशा दी है।

दूसरे सेट में दिखाया दम, 1 घंटे 20 मिनट में जीता मुकाबला

पहले गेम में ही ब्रेक करते हुए ज्वेरेव ने बढ़त बनाई, हालांकि मुलर ने 3-3 पर वापसी की। इसके बाद ज्वेरेव ने पहला सेट 47 मिनट में

अपने नाम किया। दूसरे सेट में ज्वेरेव ने अपनी लय पकड़ी और तीन बार ब्रेक करते हुए मुकाबला 1 घंटे 20 मिनट में जीत लिया।

छह टूर्नामेंट से नहीं पहुंचे क्वार्टरफाइनल से आगे

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद ज्वेरेव ने छह टूर्नामेंट खेले, लेकिन किसी में क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। म्यूनिख में पिछली बार 2017 और 2018 में खिताब जीतने के बाद से वे अंतिम आठ से आगे नहीं जा पाए हैं। अब वे क्वार्टरफाइनल में डेनियल आल्टमेयर या ताइवान के त्सेंग चुन-हसिन से भिड़ेंगे।

बेन शेल्टन ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर दर्ज की जीत

दूसरी ओर, टूर्नामेंट के दूसरे वरीय और विश्व नंबर-15 बेन शेल्टन ने बोर्ना गोयो के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया। एक सेट से पिछड़ने के बाद शेल्टन ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए 4-6, 7-6 (8/6), 7-6 (7/3) से जीत दर्ज की। मुकाबला 2 घंटे 24 मिनट तक चला।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद ने एडम जाम्पा की जगह रविचंद्रन स्मरण को टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जाम्पा के चोटिल होने के बाद उनकी जगह कर्नाटक के युवा बल्लेबाज़ रविचंद्रन स्मरण को अपनी टीम में शामिल किया है।

30 लाख की बेस प्राइस पर एसआरएच से जुड़े स्मरण

21 वर्षीय रविचंद्रन स्मरण को सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख रुपये की बेस प्राइस पर अपनी टीम में जगह दी है। स्मरण एक बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं, जिन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात फर्स्ट क्लास मैचों में 64.50 की औसत से 500 से ज़्यादा रन बनाए हैं, जिसमें पंजाब के खिलाफ एक दोहरा शतक भी शामिल है। स्मरण ने 2024 में लिस्ट-ए क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक 10 मैचों में 72.16 की औसत से 433 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक भी शामिल हैं। वहीं, उन्होंने छह टी20

मैचों में 170 की स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए हैं।

हैदराबाद पॉइंट्स टेबल में निचले पायदान पर

फिलहाल, आईपीएल 2025 की अंक तालिका में सनराइजर्स हैदराबाद अंकतालिका में निचले पायदान पर है और प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए इन्हें हर मैच में जीत हासिल करनी होगी।

ला लीगा 2024-25: एटलेटिको मैड्रिड ने रियल वायडोलिड को 4-2 से हराया

एजेंसी

मैड्रिड। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ के शानदार दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीगा मुकाबले में रियल वायडोलिड को 4-2 से मात देकर खिताबी दौड़ में अपनी उम्मीदें ज़िंदा रखी हैं। सोमवार रात मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में बारिश के बीच खेले गए इस मुकाबले में अल्वारेज़ ने दोनों गोल पेनल्टी से किए।

अल्वारेज़ के दो पेनल्टी गोल से मिली जीत

मैच की शुरुआत में ही रियल वायडोलिड ने 21वें मिनट में ममादू सिल्ला के पेनल्टी गोल से बढ़त बना ली थी। लेकिन इसके बाद एटलेटिको ने वापसी की और 25वें मिनट में जूलियन अल्वारेज़ ने पेनल्टी से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ही जुलियानो सिमियोन ने गोल कर एटलेटिको को 2-1 की बढ़त दिला दी।

वायडोलिड ने दी कड़ी टक्कर: दूसरे हाफ में वायडोलिड ने भी दम दिखाया। 56वें मिनट में जावी सांचेज़ की फ्री किक को कॉनर गैलाघर के डिफलेक्शन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन एटलेटिको ने हार नहीं मानी

और 71वें मिनट में फिर से पेनल्टी पर अल्वारेज़ ने गोल कर अपनी टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

सॉरलॉथ ने किया मैच का फैसला: मैच के 79वें मिनट में अल्वारेज़ का हैट्रिक गोल करने का मौका भी आया, लेकिन वायडोलिड के गोलकीपर आंद्रे फरेरा ने उसका शॉट रोक लिया। हालांकि, इसके रिबाउंड पर एलेक्जेंडर सॉरलॉथ ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया और टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अल्वारेज़ बोले- महत्वपूर्ण तीन अंक

मैच के बाद अल्वारेज़ ने कहा, ये तीन अंक हमारे लिए बहुत अहम हैं। अब हमें अगले मैच पर ध्यान देना है। हैट्रिक का मौका था, लेकिन टीम की जीत ज्यादा ज़रूरी थी। इस जीत के साथ एटलेटिको मैड्रिड के 63 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, वायडोलिड की लगातार यह पांचवीं हार है और वह अब भी 16 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

बार्सिलोना ओपन 2025 : रूब्लेव और रूने ने अंतिम 16 में बनाई जगह

एजेंसी

बार्सिलोना। खेले गए बार्सिलोना ओपन 2025 के मुकाबलों में विश्व नंबर 8 आंद्रे रूब्लेव और डेनमार्क के होल्गर रूने ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में अपनी जगह बना ली।

रूब्लेव ने डी जोंग को दी करारी शिकस्त

रूसी स्टार आंद्रे रूब्लेव ने पहले दौर में डच खिलाड़ी जैस्पर डी जोंग को 6-1, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया। बीते कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे रूब्लेव ने इस मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में 5वें गेम में ब्रेक गंवाने के बाद रूब्लेव ने अगले छह गेम अपने नाम करते हुए सेट आसानी से जीत लिया। दूसरे सेट में रूब्लेव ने 3-2 की बढ़त बनाई और अंत में डी जोंग की एक लंबी शॉट पर मैच अपने नाम कर लिया। बता दें कि रूब्लेव ने हाल ही में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मारात सफिन को अपना कोच नियुक्त किया है।

रूने ने भी किया शानदार प्रदर्शन: दिन के पहले मुकाबले में

डेनमार्क के होल्गर रूने ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी और संन्यास की घोषणा कर चुके अल्बर्ट रामोस-विनोलस को 7-5, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते मोंटे कार्लो मास्टर्स से फूड पॉइजनिंग के चलते हटने वाले रूने ने यहां 28 शानदार विनर्स लगाए।

मैच के बाद रूने ने कहा, मोनाको में खराब हफ्ते के बाद यहां अच्छी शुरुआत करना जरूरी था। मैं फिलहाल फिट और स्वस्थ महसूस कर रहा हूं, जो मेरे लिए सबसे बड़ी राहत है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर: मैग्नस कार्लसन ने पेरिस खिताब किया अपने नाम

एजेंसी

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल के दूसरे चरण में उन्होंने हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल करते हुए 2,00,000 डॉलर (करीब 1.66 करोड़ रुपये) की इनामी राशि अपने नाम की।

नाकामुरा ने की आक्रामक शुरुआत, कार्लसन ने दिखाई शानदार वापसी

फाइनल के निर्णायक मैच में हिकारु नाकामुरा ने सफेद मोहरों से खेल की शुरुआत की। शुरुआती चरण में नाकामुरा ने आक्रामक रणनीति अपनाई और कार्लसन के

द्ध8 घर पर खड़े ऊंट (बिशप) को मात दी। हालांकि, नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी ने तेजी से जवाबी हमला करते हुए अपने घोड़े और हाथी (नाइट और रूख) की मदद से नाकामुरा की रणनीति पर पानी फेर दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोचक रहा। मिडगैम में लगातार मोहरे बदले गए और दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी का खेल दिखाया। आखिरकार 41 चालों के बाद दोनों ने ड्रॉ पर सहमति जताई, जिसके साथ ही मैग्नस कार्लसन टूर्नामेंट के विजेता बन गए ।इस टूर्नामेंट में भारत के युवा ग्रैंडमास्टरों ने भी दम दिखाया। आर. प्रज्ञानानंद ने रिचर्ड रैपोर्ट को हराकर नौवां स्थान हासिल किया। वहीं विदित गुजराती और डी. गुकेश ने 11वें स्थान पर टूर्नामेंट समाप्त किया। दूसरी ओर, अर्जुन एरिगैसी पांचवें स्थान की दौड़ में मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव से बस एक जीत दूर हैं।

पंजाब एफसी को मिला सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम का आईएसएल अवॉर्ड

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के लिए सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम अवॉर्ड से नवाजा गया है।

यह सम्मान क्लब के युवा विकास में उत्कृष्ट योगदान और अकादमी से तैयार खिलाड़ियों को सीनियर टीम में सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए दिया गया है। इस सीजन में पंजाब एफसी ने लीग की सबसे युवा टीम उतारी, जिसकी औसत उम्र 25 वर्ष और 216 दिन रही। यह क्लब की दीर्घकालिक सोच, स्थिरता और युवा प्रतिभाओं में विश्वास को दर्शाता है। सत्र के दौरान क्लब के नौ अकादमी स्नातकों ने सीनियर टीम में जगह बनाई, जिनमें से छह खिलाड़ियों ने इस मंच पर डेब्यू किया। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि क्लब ने अंडर-23 खिलाड़ियों को कुल 7,522 मिनट का खेल समय दिया, जो इस सीजन में किसी भी क्लब द्वारा सर्वाधिक है। हेड कोच पानागियोटिस डिल्मपेरिस का युवाओं में भरोसा क्लब की सफलता की नींव बना। प्रमवीर सिंह इस सीजन में आईएसएल इतिहास के सबसे युवा स्टार्टर बने, जबकि सिंगमायुम शामी सबसे युवा गोल स्कोरर के रूप में उभरे। विशाल यादव ने तीसरे सबसे युवा डेब्यू करने वाले खिलाड़ी का गौरव पाया, और मुहम्मद सुहैल तीसरे सबसे युवा असिस्ट देने वाले खिलाड़ी बने।

कपिल देव बने एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महानायक और 1983 विश्वकप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव को स्किलहब ऑनलाइन गेम्स फेडरेशन (एसओजीएफ) द्वारा आयोजित एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के उत्तर और पूर्व क्षेत्र फाइनल्स के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह फाइनल 29 और 30 अप्रैल को गुरुग्राम के हयात रीजेंसी में आयोजित होगा। यह सीरीज देश के चारों क्षेत्रों- दक्षिण, पश्चिम, उत्तर और पूर्व की प्रतिभाओं को माइंड स्पोर्ट्स में मंच देने का एक अनूठा प्रयास है। बेंगलुरु और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद अब उत्तर और पूर्व भारत की बारी है, जहां खिलाड़ी शतरंज, चेस फॉर ब्लाइंड और रम्मी में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कपिल देव ने इस मौके पर कहा, माइंड स्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार का परिणाम है। एसओजीएफ के साथ जुड़कर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। रणनीतिक सोच, अनुशासन और समस्या-समाधान जैसे गुण न केवल माइंड स्पोर्ट्स में बल्कि क्रिकेट जैसे खेलों में भी अहम होते हैं। यह प्रतियोगिता भारत को वैश्विक मंच पर तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी।एसओजीएफ सीरीज की मुख्य ब्रांड एंबेसडर पद्मश्री सम्मानित ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी हैं, जिन्होंने अपने करियर में दो वर्ल्ड रैपिड चेस खिताब (2019, 2024), विश्व चैंपियनशिप पदक और एशियन गेम्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती हैं। मुंबई में हुए आयोजन में हम्पी ने कहा, यह पहल भारत में माइंड स्पोर्ट्स को नई दिशा देगी और इसे राष्ट्रीय खेल कैलेंडर का अहम हिस्सा बनाएगी।अब तक इस सीरीज में 1.5 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी स्किल-बेस्ड माइंड स्पोर्ट्स चैंपियनशिप बन गई है। इंडियन रम्मी ग्रैंडमास्टर्स में 78,000 प्रतिभागियों में से 150 खिलाड़ी फाइनल्स तक पहुंचे। जबकि इंडियन चेस मास्टर्स (आईसीएम) में 3,500 में से 32 फाइनलिस्ट चुने गए, जिसमें 16 पुरुष और 16 महिलाएं शामिल हैं। वहीं इंडियन चेस मास्टर्स फॉर ब्लाइंड (आईसीएमबी) में एआईसीएफबी के साथ मिलकर 16 शीर्ष खिलाड़ियों का चयन किया गया। एसओजीएफ अध्यक्ष शंकर अग्रवाल ने कहा, कपिल देव का हमारे साथ जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनकी उपस्थिति माइंड स्पोर्ट्स को नई पहचान दिलाएगी और युवाओं में इसकी लोकप्रियता बढ़ाएगी। गुरुग्राम में होने वाले उत्तर और पूर्व क्षेत्र के फाइनल्स फिजिटल (फिजिकल + डिजिटल) अनुभव देंगे, जिसमें तकनीक और परंपरा का समावेश होगा। विजेता खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय फाइनल्स में भाग लेंगे, जहां उन्हें इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईईएसएफ), इंटरनेशनल माइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन (आईएमएसए) और ग्लोबल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन (जीईएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

रेंजर्स ने नार्थर्न यूनाइटेड से अंक छीना

दिल्ली। रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब ने नार्थर्न यूनाइटेड एफसी को 1 -1 की बराबरी पर रोक कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में महत्वपूर्ण अंक झटक लिया।आज यहां खेले गये मुकाबले में रेंजर्स के लिए बढ़त दिलाने वाल हर्षतोमर को उनके श् शानदार गोल के लिए प्लेयर ऑद द मैच से नवाजा गया। इसके बाद नार्थर्न यूनाइटेड के नितेश शर्मा ने गोलकर स्कोर1-1 बराबर कर दिया। वहीं दिन के पहले मुकाबले में बंशनलांग के गोल से एम 2एम फुटबाल क्लब ने अहबाब फुटबाल क्लब को 1-0 से हरा कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में अपना विजयी अभियान शुरू किया। लीग का पहला मैच बेहद नीरस रहा। बंगाल, मणिपुर, मेघालय और सिक्किम के खिलाड़ियों से सजी दोनों टीमों ने बेहद सुस्त और उबाऊ फुटबाल खेली, लेकिन दिन के दूसरे मैच में अनुभव पर युवा खिलाड़ी भारी पड़े।

आईपीएल 2025: चेन्नई ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 30वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को पांच विकेट से हराकर जीत की पटरी पर वापसी की है। यह सीएसके की सात मैचों में दूसरी जीत है। वहीं, लखनऊ को इस सत्र की तीसरी शिकस्त मिली है। इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 166 रन बनाए। कप्तान ऋषभ पंत ने 63 रन बनाए। इसके अलावा, मिचेश मार्श ने 30, आयुष बडोनी ने 22 और अब्दुल समद ने 20 करन का योगदान दिया। चेन्नई की ओर से रवींद्र जडेजा और मथीषा पाथिराना ने 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि खलील अहमद और

अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट मिला।167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके ने तेज-तर्रार शुरुआत की। पहले पांच ओवर में ही टीम ने 52 रन जोड़ डाले। इसी स्कोर पर शेख राशिद 27 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रचिन रविंद्र ने राहुल त्रिपाठी के साथ 24 रन जोड़े। लेकिन फिर दो लगातार विकेट ने चेन्नई को हिला दिया। रविंद्र 37 रन और राहुल 9 रन बना कर आउट हुए। फिर रविंद्र जडेजा और विजय शंकर भी कुछ खास नहीं कर सके और क्रमशः 7 और 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

महाप्रबंधक ने किया 34वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे महिला क्रिकेट चैम्पियनशिप का शुभारम्भ

एजेंसी

प्रयागराज। रेलगाँव स्टेडियम में उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के तत्वावधान में 14 से 20 अप्रैल तक आयोजित हो रही 34वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे महिला क्रिकेट चैम्पियनशिप का शुभारम्भ महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी ने महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा चेतना जोशी के साथ किया। उमरे खेल संघ के अध्यक्ष एस पी द्विवेदी ने कहा कि, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा इस क्रिकेट प्रतियोगिता का प्रयागराज में आयोजन हमारे लिए गौरव की बात है। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल के 09 ज़ोनों से टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिनको 5 एवं 4 टीमों के दो ग्रुपों में बांटा गया है। महाप्रबंधक ने सभी टीमों और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि, इस चैम्पियनशिप के आयोजन से रेलवे में खेलों को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट में टीमों की बढ़ती हुई संख्या देश में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस तरह की प्रतियोगिता नई खिलाड़ियों के प्रोत्साहन का माध्यम बनेंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि, यह आयोजन टीम भावना बढ़ाने मे सहायक होगा। उत्तर मध्य रेलवे की वरिष्ठ खिलाड़ी पूनम यादव ने सभी खिलाड़ियों की ओर से शुचितापूर्ण और खेल भावना से खेलने की शपथ ली और उत्तर मध्य रेलवे की कोच हेमलता काला ने रेफरी, अम्पायर, स्कोरर आदि को शपथ दिलाई। ज्ञात हो कि, इस प्रतियोगिता में उत्तर रेलवे, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और पहली बार प्रतिभाग कर रही दक्षिण पश्चिम रेलवे के साथ-साथ उत्तर मध्य रेलवे हिस्सा ले रही हैं। इस समागम में भारतीय रेल के 9 ज़ोनों की टीमों के साथ लगभग 150 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मित मालवीय ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच उत्तर मध्य

रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच हुआ।, इसमें उत्तर मध्य रेलवे 09 रनों से जीती। उत्तर मध्य रेलवे ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेटों के नुकसान पर 113 रन बनाए जवाब में दक्षिण मध्य रेलवे 9 विकेट खोकर 104 रन ही बना सकी। दूसरा मैच उत्तर रेलवे और पूर्व रेलवे के मध्य हुआ। इसमें उत्तर रेलवे ने पहले बैटिंग कर 103 रन बनाए और जवाब में पूर्व रेलवे ने 101 रन बनाए। उत्तर रेलवे ने मात्र दो रन से जीत दर्ज की। उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एस पी द्विवेदी, उपाध्यक्ष बीपी सिंह, कोषाध्यक्ष रवि पटेल, महासचिव सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अजय सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ डॉ अमित मालवीय ने किया। पीआरओ ने बताया कि यहां पर दिन का एकमात्र मैच पश्चिम रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेल के मध्य हुआ। मैच के पहले खेलगाँव पब्लिक स्कूल के वाइस चेयरमैन अनिल मिश्रा ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और उन्होंने विद्यालय के चेयरमैन डॉ यू के मिश्रा की ओर से सभी को आयोजन की शुभकामनाएं दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिम रेलवे ने 20 ओवरों में 3 विकेटों के नुकसान पर 151 रन बनाए जवाब में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे 8 विकेट खोकर 105 रन ही बना सकी।

मैं अब टोनी और

नेहा ककक्ड़

की बहन नहीं हूं..सोनू ककक्ड़ ने तोड़ा भाई-बहन से नाता, कहा- मेरा यह फैसला गहरे दर्द से उपजा है

बॉलीवुड सिंगर नेहा ककक्ड़ और उन्हें बहन-भाई सोनू व टोनी ककक्ड़ का रिश्ता बेहद प्यारा है। तीनों भाई-बहनों ने काफी संघर्ष कर आज म्यूजिक इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाई है, लेकिन अब हाल ही में इन्हें लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सिंगर सोनू ककक्ड़ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर घोषणा की कि वह अब अपने छोटे भाई-बहन नेहा ककक्ड़ और टोनी ककक्ड़ से अलग हो रही हैं। जैसे ही यह पोस्ट लोगों ने देखा तो सब हैरान रह गए। हालांकि, कुछ समय बाद ही सोनू ने यह पोस्ट अपने अकाउंट से डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक यह काफी वायरल हो चुका था।

सोनू ककक्ड़ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा-,आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं अब दो सुपर टेलेंटेड सुपरस्टार्स टोनी ककक्ड़ और नेहा ककक्ड़ की बहन नहीं हूं। मेरा यह निर्णय गहरे भावनात्मक दर्द से उपजा है और मैं आज वास्तव में बहुत निराश हूं।

सोनू ककक्ड़ ने यह खुलासा 9 अप्रैल को टोनी के जन्मदिन पर न आने के कुछ ही दिनों बाद किया है, जिसने पहले ही सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया था।

जहां सोनू के इस पोस्ट को कई फैंस गंभीरता से ले रहे हैं तो वहीं कई लोग इसे पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं।

संघर्ष करके कमाया नाम

बता दें, नेहा ककक्ड़ का परिवार काफी गरीबी में रहा है और उनके घर में सिर्फ एक इंसान ही कमाता था और वो थीं उनकी बड़ी बहन सोनू ककक्ड़। सोनू ककक्ड़ माता रानी के जागरण किया करती थीं और नेहा उनके साथ गाया करती थीं। दोनों भाई बहनों को सिंगिंग का टैलेंट वहीं से मिला। आज ककक्ड़ सिब्लिंग्स टॉप सिंगर्स की लिस्ट में शुमार हैं।

कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है...सनी देओल का खूंखार रूप देखकर JAAT का विलेन भी थर-थर कांपा

सनी देओल की फिल्म 'जाट' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली जाट में सनी देओल के सामने रणदीप हुड्डा खूंखार विलेन राणातुंगा के किरदार में नजर आ रहे हैं. रणदीप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सनी देओल संग काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया.

जाट को साउथ डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी ने डायरेक्ट किया है. ये बॉलीवुड में उनकी डेब्यू फिल्म है. फिल्म जबरदस्त एक्शन सीन्स से भरी हुई है. फिल्म में सनी के सामने विलेन बनकर चुनौती पेश करने वाले रणदीप ने अब एक्टर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि कैमरा ऑफ होते ही सनी देओल एक अलग मूड में दिखाई देते हैं, जबकि कैमरा ऑन होते ही वो अपने किरदार में पूरी तरह उतर जाते हैं.

कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है...

रणदीप हुड्डा हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की. वहीं सनी देओल को लेकर भी उन्होंने दिलचस्प खुलासा किया. उनसे शुभांकर ने कहा था कि, सनी देओल रियल लाइफ में इतने शांत हैं, बेहद विनम्रता के साथ बात करते हैं. वो स्क्रीन पर आकर इतने एग्रेसिव कैसे हो जाते हैं?

रणदीप ने इसके जवाब में कहा, पता नहीं मैं तो ये ही बोलता हूं पाजी कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है आपमें. उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनकी आंखें सब अलग दिखाई देती हैं. उन्होंने काफी सालों से इस चीज की प्रैक्टिस की है. फिर उनसे सवाल हुआ, मैंने सुना था डर (1993 फिल्म) के दौरान सनी देओल ने गुस्से में अपनी पैंट फाड़ दी थी. इस पर रणदीप ने कहा, हमने भी सुना था पर वो मेरे ख्याल से अपनी बात को बोलकर नहीं रख पाए तो गुस्से में उनकी जींस फट गई होगी.

जाट का अब तक का कलेक्शन

10 अप्रैल को रिलीज हुई जाट में सनी और रणदीप के साथ 'छावा' फिल्म के एक्टर विनीत कुमार सिंह भी हैं. 100 करोड़ के बजट में बनी जाट ने पहले दिन 9.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन फिल्म ने 7 करोड़ और तीसरे दिन 9.75 करोड़ बटोरे. तीन दिनों में जाट ने 26 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है.

रणदीप हुड्डा ने किताब में छिपाकर चार्ल्स शोभराज को वो चीज भेज दी, जिससे 'बिकिनी किलर' उनका दोस्त ही बन गया

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा फिलहाल अपनी फिल्म जाट को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. इस फिल्म में उन्होंने विलेन का किरदार निभाया है, जिसका नाम राणातुंगा है. इस किरदार के लिए उन्हें लोगों से काफी सराहना मिल रही है. हालांकि, उन्होंने और भी कई सारे कमाल के रोल किए हैं, इन्हीं में से एक किरदार इंटरनेशनल क्रिमिनल चार्ल्स शोभराज का भी है, जिसे लोग बिकिनी किलर के नाम से भी जाने जाते हैं. फिल्म का नाम मैं और चार्ल्स है, जो कि साल 2015 में रिलीज हुई थी.

हाल ही में रणदीप हुड्डा एक पॉडकास्ट में नजर आए थे, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर खुलकर बात की. इस दौरान एक्टर ने अपनी फिल्म मैं और चार्ल्स के वक्त के भी कुछ किस्से शेयर किए. इसके साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि फिल्म के बाद से उनके और चार्ल्स शोभराज के बीच दोस्ती का रिश्ता भी बन गया था. पॉडकास्ट के दौरान जब उनसे पूछा गया कि दोनों में बिना मिले दोस्ती कैसे हुई, तो उन्होंने किस्सा सुनाया.

कभी भी नहीं हुई है मुलाकात

रणदीप हुड्डा शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में शामिल हुए, इस दौरान उन्होंने बताया कि वो फिल्म की टीम के साथ चार्ल्स से मिलने के लिए नेपाल गए थे. एक्टर ने बताया कि उससे मिलने के लिए उन लोगों को कई सारी बड़े अधिकारियों से बातचीत करनी पड़ी. हालांकि, उसके बाद भी चार्ल्स से उनकी मुलाकात नहीं कराई गई, लेकिन उन्हें दूर से उन्हें देखने की परमिशन मिल गई थी. एक्टर ने बताया कि उन्होंने चार्ल्स को एक बुक भेजवाई थी, जिसमें उन्होंने अपना नंबर दिया हुआ था.

वीडियो कॉल पर होती थी बात

रणदीप ने बताया कि फोन नंबर मिलने के बाद चार्ल्स ने उन्हें कॉल किया और दोनों में काफी बातें भी हुई. साथ ही उन्होंने बताया कि वो जब तक जेल से छुटे नहीं थे तब तक दोनों की काफी बातें होती थी, चार्ल्स ने उन्हें वीडियो कॉल के जरिए जेल में अपने सेल के बारे में बताया था. एक्टर ने बताया कि एक बार जब वो अमेरिका गए थे तो चार्ल्स ने उनकी अमेरिकी एजेंट से बात करवाई थी ताकि वो हॉलीवुड में काम करें. इसके साथ ही रणदीप ने बताया कि वो चार्ल्स पर दूसरा पार्ट भी बनाने के बारे में सोच रहे हैं.

प्रीति जिंटा

ने ठुकराई सलमान खान की फिल्म, रिलीज होते ही FLOP हुई, 3 करोड़ भी नहीं कमा पाई थी ये पिक्चर

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का बॉक्स ऑफिस पर जादू कई बार देखने को मिला है. सलमान खान अपने करियर में कई शानदार फिल्मों के जरिए फैंस का दिल जीत चुके हैं. हालांकि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'सिकंदर' की हालत लगातार बहुत खस्ता होती जा रही है. फिल्म के लिए सिनेमाघरों में टिके रहना अब बेहद मुश्किल हो गया है. 26 करोड़ की ओपनिंग लेने वाली फिल्म की कमाई 12वें दिन ही लाखों में पहुंच गई थी.वैसे आपको बता दें कि सिकंदर से पहले सलमान खान की और भी कई फिल्में औंधे मुंह गिरी हैं. उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही, जिसने टिकट खिड़की पर सिर्फ अपने बजट की 12 फीसदी कमाई की थी. इसे सलमान के करियर की सबसे महाफ्लॉप फिल्म कहना भी गलत नहीं होगा. ध्यान देने वाली बात ये है कि ये पिक्चर पहले मशहूर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा को ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था. बाद में उनका फैसला सही भी साबित हुआ. फिर उनकी जगह एक विदेशी एक्ट्रेस को लिया गया. लेकिन फिर भी फिल्म पिट गई थी. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद डायरेक्टर ने फिल्ममेकिंग छोड़ दी थी.

प्रीति ने ठुकरा दी थी 'मैरीगोल्ड'

जिस फिल्म की हम आपसे बात कर रहे हैं उसका नाम है 'मैरीगोल्ड'. शायद ही सलमान के फैंस को उनकी इस फिल्म के बारे में पता होगा और अगर पता होगा भी तो वो इस फिल्म को भूलना चाहेंगे. सलमान की इस पिक्चर के लिए प्रीति जिंटा को अप्रोच किया गया था, लेकिन उन्होंने फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था.

डायरेक्टर ने छोड़ दी फिल्ममेकिंग

मैरीगोल्ड एक रोमांटिक म्यूजिकल कॉमेडी फिल्म थी, जिसका डायरेक्शन किया था हॉलीवुड डायरेक्टर विलार्ड कैरल ने. वहीं फिल्म में सलमान के अपोजिट नजर आई थीं हॉलीवुड एक्ट्रेस एली लॉर्टर. लेकिन दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने नकार दिया था. 19 करोड़ के बजट में बनी पिक्चर आते ही सिनेमाघरों में धड़ाम से गिर गई थी.मैरीगोल्ड पहले ही दिन अपना जलवा नहीं बिखेर सकी.

रायपुर में 40 दुकानों पर वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए नोटिस भेजा

रायपुर
छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बीचों -बीच स्थित मालवीय रोड और हलवाई लाइन में मौजूद 40 दुकानों पर वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए सभी दुकानदारों को नोटिस भेजा है ।
वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने आज बताया कि प्रदेश में वक्फ की कुल संपत्ति की कीमत करीब 500 करोड़ रुपये है। बोर्ड का फोकस अब इन सभी संपत्तियों को कब्जामुक्त कराने पर है। बिलासपुर में सबसे ज्यादा 123 प्रॉपर्टी पर कब्जा मिला है, जबकि दुर्ग में सबसे कम।छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने खुलासा किया है कि प्रदेशभर में करीब 400 वक्फ प्रॉपर्टी पर लोगों ने फर्जी रजिस्ट्री कर कब्जा कर लिया है। रायपुर जिले में ऐसी 78 संपत्तियां चिन्हित की गई हैं। उल्लेखनीय है कि वक्फ की संपत्तियां किराए पर तो दी जा सकती हैं, लेकिन बेची नहीं जा सकतीं। वक्फ बोर्ड का कहना है कि पूर्व मुतवल्लियों (संपत्ति के देखरेख करने वाले) की मिलीभगत से जमीन और दुकानों की फर्जी रजिस्ट्री कर दी। अब इन्हीं रजिस्ट्रियों को शून्य (निरस्त) करने के लिए प्रशासन को पत्र भेजा गया है और कार्रवाई शुरू हो चुकी है। डॉ. राज ने बताया है कि छत्तीसगढ़ में करीब 500 करोड़ की संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास है। जिसे कब्जामुक्त कराने के लिए सभी जिलों को वक्फ बोर्ड ने पत्र भेजा है, पत्र रजिस्ट्री शून्य करने, किराएदारों से पुनः किरायानामा करने और जिन मुतवल्लियों ने संपत्ति को फर्जी रजिस्ट्री कर बेचने का काम किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।वक्फ बोर्ड का नाम चढ़ाने के लिए कलेक्टर और एसपी को पत्र भेजा गया है।वक्फ बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की कई बेशकीमती संपत्तियां पर अवैध कब्जा है।वक्फ बोर्ड के अफसरों के मुताबिक राज्य में वक्फ बोर्ड के पास 371 मस्जिदें, 92 मदरसा और 142 ईदगाह हैं। बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बिलासपुर, जगदलपुर, मुंगेली, धमतरी और दुर्ग समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में उसके पास 2006 संपत्तियां मौजूद है। इनमें से कई सपंत्तियों अवैध तरीके से बेच दी गई हैं।

ग्रैंड ओपनिंग ब्राइडल मेकअप अकादमी एंड मेकअप स्टूडियो बाय तानिया

दिव्या दिल्ली : पलवल में एक और ब्राइडल मेकअप अकादमी की शुरूआत हो चुकी है तानिया ठाकुर पलवल जिला ढेर मोहल्ला की रहने वाली है ओल्ड सोना रोड गोल्डन हॉस्पिटल के पास उनका 15 सालों से सैलून चल रहा है अब उन्होंने एक नई अकादमी की शुरूआत की है जिसमें वह बच्चों को नए-नए हुनर सिखायेंगी और देश दुनिया में नाम रोशन कराएगी
पलवल में एक और ब्राइडल मेकअप अकैडमी की शुरूआत हो चुकी है प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट तान्या ठाकुर के द्वारा।तानिया ठाकुर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट के द्वारा अब तक बहुत सारे स्टूडेंट को कामयाब किया जा चुका है बट अब अकादमी ओपन करने के बाद बहुत सारे और नए टैलेंट को दुनिया के सामने लेकर आएगी।तानिया ठाकुर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मेरा मकसद है हर किसी को जिसको भी इस फील्ड में आगे बढ़ाना है उनको अच्छे मुकाम पर और अच्छी कला सिखाना। तानिया ठाकुर ने बताया कि अपने बड़ों के आशीर्वाद से आज मैंने अपने सपने को पूरा किया है। मेरे ससुर ठाकुर सोरन पहलवान, ठाकुर अमर सिंह, ठाकुर रामेश्वर, ठाकुर गुलाब सिंह, ठाकुर संजू दीपक सिंह,दया सिंह ,ठाकुर सूरजपाल इन सब के आशीर्वाद से आज हमने इस अकादमी की ओपनिंग की है और आशा करते हैं कि यह अकैडमी पलवल के लिए एक मिसाल बनकर रहे जहां से स्टूडेंट अच्छी चीज सीखे और देश दुनिया में अपना नाम रोशन करें।
हमारी इस ओपनिंग में पूरे शहर पलवल का भी पूरा सहयोग रहा। शहर पलवल के बड़े-बड़े लोगों ने आकर हमें आशीर्वाद दिया।तानिया ठाकुर पलवल पंचवटी कॉलोनी की रहने वाली है ठाकुर जय सिंह वर्मा देवी की बेटी है और देश दुनिया

में अपना नाम रोशन कर रही है और मां-बाप का भी।जैसे किया हम हनुमान जी को मानते हैं आज हनुमान जी का सुंदर कांड किया गया, और उनका आशीर्वाद लेकर हमने अकादमी की ओपनिंग की।और जैसे कि कहते हैं की सबसे बड़ा सपोर्ट होता है परिवार का जिसमें मेरे पति (ठाकुर जितेन्द्र) ने मेरा पूरा सपोर्ट किया है और हर कार्य में मेरा सपोर्ट करते हैं आज भी मेरा सपना पूरा हुआ है उनके सपोर्ट से ही। चौधरी कारण सिंह दलाल मंत्री ने पहुंचकर अपना आशीर्वाद दिया,रमेश चेयरमैन ने भी अपना आशीर्वाद दिया।कृष्ण पार्षद , धर्मवीर राणा, रिंकू पार्षद आदि ने भी अपना आशीर्वाद दिया।
दूर दूर से अतिथि आए जैसे फरीदाबाद, गुड़गांव, बल्लभगढ़ राजस्थान रोह तक,दिल्ली,पलवल,नोएडा,ओर पलवल के आस पास के गांव से आकर अतिथियों ने आशीर्वाद दिया।आए हुए अतिथियों में अर्चना वैष्णव , कविता शर्मा सोनिया शर्मा बबीता अनु सिमरन सवि सबिता गगन बबीता आदि ने पहुंच कर अपनी ब्लेसिंग और आशीर्वाद दिया। मीडिया से बात करते हुए आए हुए अतिथियों ने बताया कि तानिया ठाकुर एक अच्छे नेचर की महिला है और अपने काम के प्रति बहुत अच्छी है इसलिए आज पलवल में अकादमी की ओपनिंग कर रही है। तानिया ठाकुर अब तक बहुत सारे सेलिब्रिटीज का मेकअप कर चुकी है और उनसे अवार्ड भी ले चुकी है। तानिया ठाकुर ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।
पहले सुंदर कांड हुआ उसके बाद अकादमी ओपनिंग हुई रिबन काटकर आए हुए सभी अतिथियों ने खाना खाया और तानिया ठाकुर और उनके परिवार को बहुत सारा आशीर्वाद दिया।
तानिया ठाकुर ने पी न्यूज का भी धन्यवाद किया पी न्यूज ने पूरी कवरेज की और इस इवेंट को ग्रैंड इवेंट बनाने में पूरा सहयोग किया।तानिया ठाकुर ने बताया कि इस फील्ड में बैकअप इंडस्ट्री में मुझे 15 साल हो गए हैं और अब तक बहुत सारे स्टूडेंटों को टैलेंट दिया है जिन्होंने अपने-अपने सैलून ओपन कर लिए हैं और आज अपना सपना पूरा किया है हमने अपने परिवार अपने पति ठाकुर जितेंद्र के सपोर्ट से यह नई अकैडमी ओपन की है।तानिया ठाकुर ने बताया कि हमारे परिवार की सबसे बड़ी सदस्य मेरी बुआ सास (ज्ञान वती) जिनको स्पेशल रिबन कटिंग के लिए बुलाया गया और उन्होंने आकर अपने शुभ हाथों से अकादमी की रिबन कटिंग की और मुझे और मेरे परिवार को बहुत सारी ब्लेसिंग भी बुआ सास का भी आशीर्वाद हमारे ऊपर हमेशा बना रहे यही हम ईश्वर से कामना करते हैं।
आए हुए सभी अतिथियों का तानिया ठाकुर और ठाकुर परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन आप सभी आए और हमारे इस आयोजन को अपने सफल बनाया।आप सभी का प्यार और आशीर्वाद इसी तरीके से हमारे परिवार पर बना रहे बहुत-बहुत धन्यवाद आप सभी का।

द्वारका सेक्टर-14 कौटिल्य अपार्टमेंट में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और

दिव्या दिल्ली : द्वारका सेक्टर-14 कौटिल्य अपार्टमेंट में भारत रत्न और भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती समारोहपूर्वक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में देश के सुप्रसिद्ध सिविल सेवा गुरू ज्वाइंट फॉन्ट ऑफ आरडब्ल्यूए ऑफ द्वारका के अध्यक्ष तथा भाजपा कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक श्री डी. पी. वाजपेई ने भाग लिया और नई पीढ़ी को उनके आदर्शो को जीवन में आत्मसात करते हुए पूरे मनोयोग से शिक्षा प्राप्त कर, संगठित होते हुए संघर्ष कर राष्ट्र को परम वैभव में ले जाने में अपना अपना योगदान देने का आग्रह किया। यदि हम जीवन में तर्कशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करके समाज के दलित वंचित जनों के हित में कार्य करने का संकल्प लेंगे तो यह बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का आयोजन शोभनाथ गौतम प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए कौटिल्य अपार्टमेंट द्वारा उनकी टीम बालकिशन भारती, आर के आर्य, नितेश भारद्वाज, के एन महतो, रमेश मिगलानी, संदीप गायदेने, शशि वर्मा, महाराज भट्ट एवं साथियों के द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें दिल्ली के कोने कोने से आए लोगों ने भाग लिया विशेष रूप से गोपाल बिष्ट जेनरल सेक्रेट्री द्वारका लोक कल्याण मंच, विनोद रावत जी प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए मेट्रो व्यू अपार्टमेंट सेक्टर-13 द्वारका, मदन मोहन मीणा आरडब्ल्यूए भगत सिंह अपार्टमेंट, सेक्टर-14 सुरेंद्र मिश्रा जी प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए राधिका अपार्टमेंट, संजय चौधरी, पीपल अपार्टमेंट आर के मल्होत्रा वाइस प्रेसिडेंट द्वारका लोक कल्याण मंच सहित लगभग बीस सोसायटी के पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने डॉक्टर आंबेडकर के विचारों को जीवन में ग्रहण करने का संकल्प लिया।

गांव किनाना में भीम दिवाने युवा साथियों द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का 134वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

दिव्या दिल्ली : सीमा रंगा इन्द्रा जिसमें हमारे माता-पिता समान बुजुर्गों,प्यारे बच्चों,युवा साथियों एवं सबसे अधिक संख्या में हमारी नारी शक्ति ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की बच्चों व युवा साथियों ने अपनी अलग अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखकर इस प्रोग्राम की शोभा बढ़ाई इस अवसर पर मौहल्ले के जिन बच्चों ने वर्ष 2024-25 में विभिन्न स्कूलों में वार्षिक परीक्षा परिणाम में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया है उन सभी को मेडल व स्टेशनरी, नोटबुक इत्यादि सामना देकर सम्मानित किया गया।प्रोग्राम के अन्त में सभी को प्रसाद वितरण कर के जय भीम, जय संविधान, जय भारत के नारे लगाते हुए बड़े ही जोश व जनून सहित उक्त कार्यक्रम की समाप्ति की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए भीम दिवानों का दिल से धन्यवाद करते है

बुजुर्गों, माता - पिता की सेवा करना चाहिए क्योंकि जरूरत के समय उन्होंने हमें संभाला था

दिव्या दिल्ली: उज्जैन परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि समय धीरे-धीरे बदलता चला जा रहा है, दुनिया स्वार्थी होती चली जा रही है, सब लोग स्वार्थी हैं "सुर नर मुनि सब कै यह रीति। स्वारथ लागि करहिं सब प्रीति।।" लेकिन एक स्वार्थ ऐसा होता है कि अपना काम आदमी बना लेता है और दूसरे को तकलीफ नहीं देता है और यह तब होता है जब आदमी मानव धर्म का पालन करता है। जब गृहस्थ धर्म का आदमी पालन करता है तब वह यह सोचता है कि हमको माता-पिता की सेवा करनी चाहिए, बुजुर्गों को संभालना चाहिए क्योंकि जब हम घुटने के बल चलते थे तब इन्होंने ही हमको उंगली पकड़ा कर के खड़ा किया, फिर चलना सिखाया और जब यह इस उम्र में चल फिर नहीं पा रहे हैं तब हमें उनको सहारा देना चाहिए। लेकिन यह चीज देखो खत्म होती चली जा रही है। जो इंसान के काम आए; किसी के काम आए वही श्रेष्ठ पुरुष (अच्छा पुरुष) होता है जब बच्चे सतसंगों में आते रहेंगे, सतसंग सुनते रहेंगे तो यही चीजें जो किताबों में लिखी हैं या महात्मा उनको बोल कर के गए हैं वह उनको दोहराता रहेगा और वही बात जो उसने किताबों में पढ़ी उसको सतसंग में भी सुनने को मिलेगी तब उसको विश्वास हो जाएगा और तब फिर आपको उनसे धोखा नहीं मिलेगा। जवानों को और जो घर में नई नवेली बहूएं आती हैं उन्हें जब इस बात का भान ज्ञान सतसंग के माध्यम से हो जाएगा कि हम भी किसी दिन बुड्ढे होंगे तब हमें भी सहारे की जरूरत पड़ेगी। जब बहूएं सोचेगी कि जैसे हमारी सासु माँ को, दादी माँ को सहारे की जरूरत पड़ती है वैसे ही हमें भी जरूरत पड़ेगी कि कोई एक रोटी बना कर के खिला दे, एक ग्लास पानी पीला दे, तो फिर वह उसी हिसाब से सेवा करेगा एक घर में पति-पत्नी, उनका बेटा और एक बूढ़ी दादी माँ रहते थे। बेटे की शादी एक सतसंगी और संस्कारी लड़की से हुई। जब वह बहू ससुराल आई, तो उसने देखा कि उसकी सास अपनी बूढ़ी सास (दादी माँ) को तंग करती हैं–जला-भुना खाना देती हैं, फटे कपड़े पहनाती हैं और कड़वी बातें कहती हैं। बहू ने सोचा कि सास को सीधे कुछ कह नहीं सकती, तब उसने अपने गुरु को याद किया और उसे बुद्धि आ गयी। वह दादी माँ की सेवा करने लगी–बर्तन धोना, बिस्तर ठीक करना, बातें करना, हाथ-पैर दबाना। धीरे-धीरे वह देर रात तक उनके पास बैठने लगी। सास ने टोका, "क्यों जाती है तू उनके पास?" बहू बोली, "पिताजी ने कहा था, बुजुर्गों के पास बैठना, बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।" सास ने डांटा, तो बहू ने समझाया, "मैं तो इस घर का रीति-रिवाज सीख रही हूं, ताकि वैसे ही निभा सकूं जैसे यहाँ होता है।" सास ने पूछा, "क्या सीखती है?" वह बोली, "मैंने उनसे पूछा कि क्या हमारी सासु माँ आपकी सेवा करती हैं? तो वे बोलीं, बेटी, अगर यह हमें बातों के तीर न मारे, तो हम समझेंगे कि यह हमारी सेवा कर रही है। अगर यह प्रेम से हमसे बात ही कर लिया करे, तो हम बहुत खुश रहेंगे।" सास ने पूछा, "और तब तूने क्या कहा?" वह बोली, "मैंने तो यही कहा कि मुझे तो यही सीखना है – जो इस घर का रीति-रिवाज है, मुझे भी वैसा ही करना है।" तब सासु माँ सजग हो गई, उनके दिमाग में यह बात आ गई कि हमें भी बूढ़ा होना है और एक दिन हमारे सामने भी यह समस्या आएगी। तब वह भी अपनी सास की सेवा करने लग गई।

खिलाड़ियों के बीच खेला गया दूसरा मैच

किंग्स ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुक्सान पर 219 रन बनाए या विपक्ष को 220 का टारगेट दिया इस 219 के स्कोर में खुद कप्तान आशीष शर्मा ने - 71 रन या उप कप्तान सरदार गगनदीप सिंह - 42 या प्रथम गोसाईं - 44 रन का योगदान रहा, जवाब में उतरी लीगल किंग्स सिर्फ 129 रन ही बना पाई या 15 ओवर में ऑल आउट हो गई, लीगल किंग्स की तरफ से सरदार प्रिंसी चड्ढा -33 या लव शर्मा के 59 रन के महतवपूर्ण स्कोर किया या कप्तान एडवोकेट सुमित मदान ने महतवपूर्ण 3 विकेट भी लिए, इस मैच में कप्तान आशीष शर्मा को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया, या लीगल किंग्स की तरफ से लव शर्मा को फाइटर ऑफ द मैच

यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में दो फीसदी बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली
देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43 लाख इकाइयों के पार पहुंच गई। यात्री वाहनों की कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 फीसदी रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 60 फीसदी थी।। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42,18,750 इकाई रही थी। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 27,97,229 इकाई पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 25,20,691 इकाई थी।

जेके टेक और इन्वेनियम ने ब्लॉकचेन तथा एआई के जरिये वैकल्पिक निवेश को नया रूप देने के लिए साझेदारी की

दिव्या दिल्ली : जेके टेक एआई पर आधारित डिजिट ट्रांसफॉर्मेशन समाधान उपलब्ध कराने में दुनिया में सबसे आगे है, जिसने प्राइवेट मार्केट असेट्स के प्रमुख डेटा इंटीग्रिटी प्लेटफॉर्म, इन्वेनियम के साथ मिलकर वैकल्पिक निवेश के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, ब्लॉकचेन और एआई का लाभ उठाकर वैकल्पिक निवेश के लिए इन्वेनियम का नेक्स्ट जेनरेशन प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, ताकि दुनिया के प्राइवेट मार्केट का स्वरूप बदला जा सके। इसका उद्देश्य डेटा को अधिक पारदर्शी बनाना, ट्रांजैक्शन को व्यवस्थित करना और दुनिया भर के निवेशकों के लिए इसे अधिक मूल्यवान बनाना है। इस दिशा में दोनों कंपनियों की सम्मिलित प्रगति में जेके टेक के आईपी का इंटीग्रेशन भी शामिल है, जो स्ट्रक्चर्ड डेटा के क्षेत्र में इन्वेनियम की क्षमताओं को बेहतर बनाता है। साथ ही, इसमें प्राइवेट मार्केट के डेटा को संभालने में इन्वेनियम की काबिलियत और जेके टेक की एडवांस्ड इंजीनियरिंग क्षमताओं का लगातार उपयोग भी शामिल है। इस साझेदारी का उद्देश्य कामकाजी क्षमता को बेहतर बनाने के साथ-साथ प्राइवेट मार्केट में निवेश पर भरोसे की एक नई मिसाल कायम करना है। यकीनन प्राइवेट मार्केट का अगला जेनरेशन पूरी तरह डिजिटल होगा, जिसके लिए वास्तविक समय में डेटा प्रोसेसिंग की जरूरत होगी।जेके टेक ने अपने जेनरेटिव एआई सॉल्यूशन को जीवा का नाम दिया है, जिसे इस साझेदारी के तहत इन्वेनियम के प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस इंटीग्रेशन से संस्थागत निवेशकों के अलावा ऐसेट मैनेजर्स और फाइनेंस कंपनियां पहले से बेहतर ऑटोमेशन का लाभ उठाने, डेटा पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और समझदारी से निर्णय लेने में सक्षम होंगे। अब दोनों कंपनियां अमेरिका, अबू धाबी और भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए साथ मिलकर बड़ा निवेश कर रही हैं, जिससे वैकल्पिक निवेश के क्षेत्र को नया रूप देने के उनके संकल्प को और मजबूती मिल रही है।इस मौके पर जेके टेक के प्रेजिडेंट एवं सीईओ, श्री समीर नागपाल ने कहा, "इन्वेनियम के साथ इस साझेदारी से यह जाहिर होता है कि, जेके टेक वित्तीय सेवाओं में इनोवेशन को आगे बढ़ाने के अपने इरादे पर अटल है। जीवा को इन्वेनियम के प्लेटफॉर्म के साथ जोड़कर, हम पहले से कहीं बड़े पैमाने पर एआई-आधारित ऑटोमेशन और डेटा इंटीग्रिटी को सक्षम बना रहे हैं, जो वैकल्पिक निवेशों का प्रबंध करने और उसे महत्व देने के तरीके को पूरी तरह से बदल रहा है।"इन्वेनियम के चेयरमैन एवं सीईओ, पैट्रिक ओ'मैरा ने कहा, "इन्वेनियम में, हम चाहते हैं कि ब्लॉकचेन और एआई की जुगलबंदी से प्राइवेट मार्केट को एक नया स्वरूप मिले। जेके टेक के विश्व स्तरीय समाधान, यानी जीवा और डिजिटल इंजीनियरिंग में उनकी विशेषज्ञता से वैकल्पिक निवेशों के भविष्य को पारदर्शी, बड़े पैमाने पर विस्तार के योग्य और ऑटोमेटेड बनाने की हमारी क्षमता और मजबूत हुई है।"उम्मीद है कि इस साझेदारी से व्यावसायिक तौर पर काफी लाभ मिलेगा, जिसमें एडवांस्ड एनालिटिक्स के माध्यम से एआई पर आधारित निर्णय लेना, ब्लॉकचेन के जरिये डेटा इंटीग्रिटी और इसकी सुरक्षा बेहतर होना, दुनिया में बड़े पैमाने पर विस्तार और निवेश के लिए ऑटोमेटेड वर्कफ़्लो शामिल हैं, जो अंत में वैकल्पिक निवेशों के प्रबंधन में अधिक सटीकता और बुद्धिमत्ता के साथ वित्तीय संस्थानों को सक्षम बनाते हैं। आज पूरी दुनिया में वैकल्पिक निवेश का विस्तार हो रहा है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397